दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शनिवार 20 सितंबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 271 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं, नए अवसर पैदा करती है : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी' का सीएम ने किया विमोचन

विमोचन

"गाजियाबाद में युवाओं से किया आह्वान, एआई और नई तकनीक को अपनाएं

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाज़ियाबाद में आयोजित भव्य कार्यक्रम में युवाओं से कहा कि 'टेक्नोलॉजी रोजगार छीनती नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करती है।'

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टेक्नोलॉजी को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जैसे कंप्यूटर क्रांति ने नए उद्योग और नौकरियों के द्वार खोले, वैसे ही एआई कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में क्रांति लाएगा। मुख्यमंत्री यहां पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेन्द्र मोदी' के विमोचन समारोह और 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश @2047' विषयक कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

यूपी को बीमारू से बनाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुँचेगा। उन्होंने याद दिलाया कि 2017 से पहले यूपी को बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने लक्ष्य रखा कि 2016-17 में 12.75 लाख करोड़ रुपए की यूपी जीडीपी को 2025-26 में ही 36 लाख करोड़ रुपए तक पहुँचाया जाएगा।

टेक्नोलॉजी और एआई पर जोर : सीएम योगी ने कहा कि टेक्नोलॉजी का सही इस्तेमाल नए रोजगार पैदा करता है। उन्होंने उदाहरण दिया कि किसान यदि एआई और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करेंगे तो उनकी उत्पादकता तीन गुना तक बढ़ सकती है।

गाजियाबाद की बदली पहचान : सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले गाज़ियाबाद की पहचान गंदगी और गैंगेस्टर से होती थी। आज गाज़ियाबाद शिक्षा और उद्योग का केंद्र बन चुका है। उन्होंने याद किया कि अफवाहें फैलाकर गौतमबुद्ध नगर को लूट का अड्डा कहा जाता था, बिजनौर और आगरा को भी डर और अंधविश्वास से जोड़ दिया गया था। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं नोएडा भी गया, बिजनौर में भी रात रुका और आगरा के कथित ह्यभूतियाह्व सर्किट हाउस में भी ठहरा। इसके बावजूद जनता ने मुझे दोबारा आशीर्वाद दिया।

युवाओं से आह्वान और पंच प्रण का ज़िक्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का युवा, किसान, नारी शक्ति और उद्यमी ही राज्य की ताकत हैं। उन्होंने समर्थ यूपी पोर्टल पर सुझाव देने की अपील की और बताया कि श्रेष्ठ सुझावों को सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के 'पंच प्रण' की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब भारतीयों को गुलामी की मानसिकता से बाहर निकलना होगा और अपनी भारतीयता पर गर्व करना होगा। उन्होंने युवाओं से कहा, 2017 से पहले यूपी के युवा अपनी पहचान छिपाते थे, आज गर्व से कहते हैं कि वे यूपी से हैं। आने वाले वर्षों में यूपी देश की नंबर वन अर्थव्यवस्था बनेगा। कार्यक्रम का संचालन उद्घोषिका पूनम शर्मा ने काफी कुशलतापूर्वक किया।

मुख्यमंत्री योगी के सामने नगर निगम ने पेश किया 'विकसित गाज़ियाबाद 2047' विजन

सीवर सफाई के लिए आधुनिक रोबोट का शुभारंभ, महापौर ने जताया आभार

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नगर निगम ने शहर का ब्लूप्रिंट 'विकसित गाज़ियाबाद 2047' प्रस्तुत किया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और योजना पुस्तिका का विमोचन कराया। इस पर मौजूद सांसदों और विधायकों ने भी सराहना की।

मुख्यमंत्री ने इसी दौरान सीवर सफाई के लिए आधुनिक रोबोट का शुभारंभ किया। नगर आयुक्त ने बताया कि यह रोबोट 35 फीट तक गहरी सीवर लाइन की निगरानी और सफाई कर सकता है। यह पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा तो शहर के पाँचों जोनों में अलग-अलग रोबोट लगाए जाएंगे। महापौर सुनीता दयाल ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया और शासन की योजनाओं से गाज़ियाबाद को मिल रहे लाभ के लिए आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार और वीए टेक वेबग लिमिटेड से प्रोजेक्ट हेड अनुज त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

जीडीए ने सीएम योगी के सामने रखी 'विकसित भारत @2047' की तस्वीर

"सभी परियोजनाओं का उद्देश्य गाजियाबाद को और अधिक विकसित करना रहा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश @2047' विषय पर अपनी योजनाओं को प्रदर्शित किया। ये प्रस्तुतियाँ नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में एक स्टॉल के माध्यम से की गईं। इन सभी परियोजनाओं का उद्देश्य गाजियाबाद को और अधिक विकसित करना और 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

जीडीए के मुख्य आकर्षण और भविष्य की योजनाएं

हरनंदीपुरम आवासीय योजना

प्राधिकरण ने 1,300 एकड़ में फैली इस नई आवासीय योजना को मार्च 2025 में लॉन्च किया। इसमें 8 गाँव शामिल हैं और किसानों से आपसी सहमति से भूमि खरीदी जा रही है।

औद्योगिक टाउनशिप

सैदपुर और हुसैनपुर डीलना गाँवों में लगभग 625 एकड़ पर एक नई औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स भूखंडों की उपलब्धता बढ़ाना है।

स्पोर्ट्स सिटी और रिवर फ्रंट डेवलपमेंट

प्राधिकरण लगभग 500 एकड़ में एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के साथ स्पोर्ट्स सिटी बनाने की योजना बना रहा है। इसके समानांतर, हिंडन नदी पर एक बांध बनाकर रिवर फ्रंट विकसित करने का प्रस्ताव भी विचाराधीन है।

थीम आधारित पार्क

जीडीए 'हरित गाजियाबाद' के तहत कई पार्कों को थीम आधारित पार्कों के रूप में विकसित कर रहा है। इनमें शामिल हैं :

रामायण थीम पार्क : कोयल एन्क्लेव योजना में 26.26 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है, जो अक्टूबर 2026 तक पूरा हो जाएगा।

सांस्कृतिक दर्शन पार्क : इंदिरापुरम में वेस्ट टू वंडर (कबाड़ से कला) की थीम पर 16 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है, जो जनवरी 2026 तक तैयार हो जाएगा।

विकसित भारत पार्क : मधुबन बापूधाम योजना में 45 करोड़ रुपए की लागत से यह पार्क बनाया जा रहा है।

डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क : राजेंद्र नगर योजना में 53 करोड़ रुपए की लागत से इसका जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

सिटी फॉरेस्ट पार्क : बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए 143 एकड़ के इस पार्क के पुनर्विकास का प्रस्ताव है, जिस पर लगभग 55 करोड़ रुपए का अनुमानित व्यय होगा।

सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा
पीएम मोदी करेंगे तीसरे संस्करण का उद्घाटन

नोएडा। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं बेहतर हों ताकि देश-विदेश से आने वाले अतिथियों और उद्यमियों को किसी तरह की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचे। यहां आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 तृतीय संस्करण की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग एक घंटे तक समीक्षा बैठक की और व्यवस्थाओं को बीते साल से बेहतर करने के निर्देश दिए।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं बेहतर हों ताकि देश-विदेश से आने वाले अतिथियों और उद्यमियों को किसी तरह की असुविधा न हो। तीसरे संस्करण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस मौके पर कई देशों के राजनयिक भी मौजूद रहेंगे। इस बार आयोजन में रूस को कंट्री पार्टनर बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्टॉल लगाने, ट्रैफिक प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग जैसी तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य और सफल बनाया जाए। सीएम राजकीय विमान से हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए ग्रेटर नोएडा आए।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि यह ट्रेड शो गांवों और कस्बों के हुनरमंद कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। पिछले दो संस्करणों की सफलता ने साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश के उद्यमी और उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। पिछला बार के ट्रेड शो से व्यापारियों को 2027 तक के ऑर्डर मिले थे। इस बार उससे भी अधिक कारोबार और अवसर मिलने की संभावना है।

ट्रेड शो के तीसरे संस्करण से एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओडी) के उद्यमियों को भी इस आयोजन में दुनिया के सामने अपने हुनर को दिखाने का मौका मिलेगा। यह प्लेटफार्म न सिर्फ व्यापार बढ़ाने में मदद करता है बल्कि उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाता है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।

पिछले वर्षों की सफलता को देखते हुए सरकार को भरोसा है कि इस बार का आयोजन और भी बड़ा होगा। एक्सपोर्ट के मोर्चे पर भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। यह आयोजन हमारी अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो न सिर्फ व्यापार का मंच है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक ताकत को दुनिया के सामने पेश करने का अवसर भी है। ग्रामीण शिल्प से लेकर आधुनिक उद्योग तक, यहां सबको अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं। यह ट्रेड शो उन उद्यमियों को एक ही छत के नीचे लाने का मंच है। पिछले साल इस आयोजन के दौरान लगभग 22 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था।

वहीं बैठक दौरान सांसद महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, जेवर विधायक, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, डीएम मेधा रूपम मौजूद रही।

आर्यन मान बने डूसू अध्यक्ष, एबीवीपी को तीन तो एनएसयूआई को मिली एक सीट

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनावों की मतगणना शुक्रवार को संपन्न हो गई। एक दिन पहले विश्वविद्यालय भर के छात्रों ने कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान किया था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) के आर्यन मान ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित हो गए हैं। एबीवीपी ने इस बार तीन सीटों पर जीत हासिल की है जिसमें अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव का पद शामिल है। वहीं एनएसयूआई के राहुल झासला ने उपाध्यक्ष का पद जीता है। मान ने अपने समर्थकों से विजय उत्सव के दौरान शांतिपूर्ण रहने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, हमें किसी भी प्रकार का विजय जुलूस निकालने की अनुमति नहीं है, इसलिए मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि हम कोई विजय रैली नहीं निकालेंगे और जो कुछ भी करना है, उसे शांतिपूर्ण ढंग से करेंगे। एबीवीपी के कुणाल चौधरी ने भी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं छात्रों को आश्वस्त करता हूं कि मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा और उनके कल्याण के लिए काम करूंगा। संयुक्त सचिव के रूप में चुनी गईं दीपिका झा ने छात्र समुदाय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों ने उनके प्रयासों को पहचाना और 4,000 वोटों के अंतर से उनकी जीत सुनिश्चित की।

उन्होंने कहा कि मैं बिहार से आई थी और पिछले छह वर्षों से इस पल के लिए प्रयास कर रही थी।

अध्यक्ष – आर्यन मान : आर्यन मान हरियाणा के बहादुरगढ़ से हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज से स्नातक किया है। वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से लाइब्रेरी साइंस के छात्र हैं। उनकी विशेष रुचि खेलों में रही है और फुटबॉल के खिलाड़ी हैं। आर्यन मान ने दिल्ली विश्वविद्यालय में एबीवीपी के फीस वृद्धि के विरोध, बुनियादी ढांचे के विकास आदि को लेकर हुए आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई है।

उपाध्यक्ष- राहुल झांसला : राहुल झांसला (आयु 24 वर्ष) झ बौद्ध अध्ययन में परास्नातक। पिछले दो वर्षों से छात्र मुद्दों के लिए संघर्षरत राहुल ने बेहतर विश्वविद्यालय और खेल संरचना, स्वच्छ छात्रावास व कक्षा व्यवस्था, पीने के स्वच्छ जल की उपलब्धता और महिलाओं के लिए महिला विकास प्रकोष्ठ की स्थापना की मांग की है। उन्हें पूर्वांचल और राजस्थान छात्र समुदाय से व्यापक समर्थन प्राप्त है।

कुणाल चौधरी मूलतः दिल्ली के रहने वाले हैं। पीजीडीएवी कॉलेज से स्नातक किया है। 2023 में पीजीडीएवी कॉलेज छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए, अपने कॉलेज बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उन्होंने महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ी। वर्तमान में बौद्ध अध्ययन विभाग में परास्नातक के छात्र है। कुणाल चौधरी गत वर्षों से स्टूडेंट एक्टिविज्म में सक्रिय भूमिका निभाते हुए छात्रों की आवाज को मुखरता दी है।

दीपिका झा मूलतः बिहार की रहने वाली है। दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज से स्नातक किया है। वर्तमान में बौद्ध अध्ययन विभाग की छात्रा हैं। दीपिका ने एबीवीपी के प्रकल्प स्टूडेंट्स फॉर सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाई है तथा बस्ती की पाठशाला, ऋतुमति अभियान आदि के माध्यम से छात्रों के नेतृत्व में सामाजिक परिवर्तन की गतिविधियों में सक्रिय हैं।

अध्यक्ष समेत तीन पदों पर एबीवीपी की जीत

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) 2025 चुनाव के नतीजे आ गए हैं। अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के आर्यन मान जीत गए हैं। सचिव और संयुक्त सचिव पद पर भी एबीवीपी प्रत्याशियों ने बाजी मारी है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई प्रत्याशी जीते हैं।

जीत के बाद क्या बोले आर्यन मान

स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन को संयुक्त रूप से कोई सीट नहीं मिली। छात्र संघ के नए अध्यक्ष मान ने कहा कि उन्हें अपनी जीत पर 100 प्रतिशत भरोसा था। उन्होंने कहा कि मुझे सभी कॉलेजों के छात्रों का समर्थन प्राप्त था। मेरी पहली प्राथमिकता डीयू छात्रों के लिए मेट्रो रियायती पास की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा। इसके अलावा, सभी एथलीटों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण उपकरण उपलब्ध कराना भी मेरी प्राथमिकता होगी।

अटकलों पर लगा विराम...
फिर अटक गई सपा नेता आजम खां की रिहाई

सीतापुर। यूपी के सीतापुर जिला कारागार में बंद सपा नेता आजम खां को उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद भी वह रिहा नहीं हो पाए। शुक्रवार को उनकी रिहाई के कयास लगाए जाते रहे। बाद में रिहाई अटकने की एक खास वजह सामने आई।

बताते चलें कि रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जा करने के मामले में आजम खां की जमानत अर्जी गुरुवार को मंजूर कर ली गई थी। यह मुकदमा 2021 में राजस्व निरीक्षक की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके बाद रामपुर में दर्ज शत्रु संपत्ति के एक मामले में विवेचना के दौरान धाराओं को बढ़ा दिया गया। अब इस मामले में आजम खा को अपनी जमानत करानी पड़ेगी। ऐसे में उनकी रिहाई फिर से अटक गई है। मामले में 20 सितंबर को आजम खां की रामपुर के एमपी- एमएलए कोर्ट में पेशी भी है।

जेल अधीक्षक बोले- नहीं मिले कागज

जेल अधीक्षक एसके सिंह ने बताया कि कोर्ट से रिहाई से संबंधित कोई कागजात नहीं आए हैं। मुझे आजम खां की बढ़ी हुई धाराओं के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

मशहूर गायक जुबिन गर्ग का सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत, पीएम मोदी ने जताई शोक संवेदना

नई दिल्ली। करंट क्राइम। मशहूर गायक जुबिन गर्ग का सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान निधन हो गया है। वे नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में परफॉर्म करने गए थे। उनकी मौत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

इमरान हाशमी की फिल्म गैंगस्टर के फेमस या अली गाकर युवाओं के बीच नाम बनाने वाले सिंगर जुबिन गर्ग असम के लेजेंडरी गायक थे।

सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान जुबिन हादसे का शिकार हुए, जिसके चलते उनकी जान गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंगापुर पुलिस ने उन्हें समुद्र से बचाया और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। इंटेनसिव मेडिकल केयर मिलने के बावजूद, डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। जुबिन, सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में भाग लेने गए थे, जहां उनके आज परफॉर्म करने की योजना थी। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और भारत के विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिट ने जुबिन के निधन को असम के लिए विराट क्षति बताया। 19 से 20 सितंबर तक के बीच सिंगर का पार्थिव शरीर सिंगापुर से असम लाया जा सकता है। असम में उनका अंतिम संस्कार होगा।

जुबिन गर्ग का जन्म मेघालय के तुरा राज्य में एक असमी ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए थे। उनका नाम म्यूजिक कम्पोजर जुबिन मेहता के नाम पर रखा गया था। उनके पिता मोहिनी बोरठकुर एक मैजिस्ट्रेट थे और मां ईली बोरठकुर सिंगर थीं। उनकी एक बहन थीं, जिनका नाम जोगकी बोरठाकुर एक एक्ट्रेस हुआ करती थीं। उनका निधन साल 2002 में एक कार एक्सीडेंट के दौरान हो गया था। गर्ग ने 2002 में ही फैशन डिजाइनर गरिमा सैकिआ से शादी की थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले: 'भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा'

हमने आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी

राजनाथ सिंह ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने का संकल्प लिया जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और अपने दुश्मनों को दिखाया कि हमारा प्रतिरोध कितना मजबूत और शक्तिशाली है। हमारी पूरी टीम की ओर से दिखाए गए समन्वय और करिश्मे ने साबित कर दिया कि जीत अब कोई अपवाद नहीं है। जीत एक आदत बन गई है और हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए।

नई दिल्ली। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर लड़े गए युद्ध से तय नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश के लोगों के संकल्प और एकजुटता से तय होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध के दिग्गजों से बातचीत में यह बात कही। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे नियति नहीं माना है। हमने अपनी नियति स्वयं तय की है... इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है। अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जवानों और किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बात की। पहलगाम को यादकर मन गुस्से से भर जाता है रक्षा मंत्री ने कहा कि हम पहलगाम की भयावह घटनाओं को नहीं भूले हैं और जब भी हम उन्हें याद करते हैं, हमारा दिल भारी हो जाता है और मन क्रोध से भर जाता है। वहां जो हुआ उसने हम सभी को झकझोर दिया। लेकिन वह घटना हमारे मनोबल को नहीं तोड़ पाई।

युद्ध में जीत सामुहिक संकल्प का परिणामः राजनाथ सिंह केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कहते हैं, ... कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में प्राप्त विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है।

भाजपा विधायक के बयान से महाराष्ट्र में सियासी घमासान
शरद पवार ने सीएम फडणवीस को फोन कर जताई आपत्ति

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र की सियासत में उस समय हलचल मच गई जब भाजपा के विधायक गोपीचंद पाडलकर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री जयंत पाटिल और उनके माता-पिता को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। इस बयान के बाद विपक्षी खेमे में नाराजगी फैल गई। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन कर इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

क्या है पूरा मामला : यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब गोपीचंद पाडलकर ने हाल ही में सांगली जिले के जत विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए जयंत पाटिल और उनके माता-पिता को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक बातें कही। जयंत पाटिल पश्चिमी महाराष्ट्र में सहकारिता आंदोलन के बड़े चेहरे माने जाते हैं और उनके पिता, स्व. राजाराम पाटिल, कांग्रेस के दिग्गज नेता और सहकारिता आंदोलन के प्रणेता रहे हैं। वहीं पाडलकर के इस बयान के बाद एनसीपी-एसपी कार्यकर्ताओं ने सांगली के ईश्वरपुर और ठाणे में जोरदार प्रदर्शन किए। इस कड़ी में ईश्वरपुर में पार्टी कार्यकताओं ने नारेबाजी की, वहीं ठाणे में कार्यकताओं ने पाडलकर का पुतला जलाया। बता दें कि, इस प्रदर्शन का नेतृत्व पार्टी विधायक जितेंद्र आव्हाड ने किया।

एनसीपी-शरद गुट का भाजपा पर हमला : ठाणे में हुए प्रदर्शन के दौरान विधायक जितेंद्र आव्हाड ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'यह सिर्फ जयंत पाटिल का मामला नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के स्तर का सवाल है। भाजपा को तुरंत पाडलकर के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। अगर पार्टी ऐसा नहीं करती, तो यह माना जाएगा कि वह ऐसे गंदे बयान को बढ़ावा देती है।' पार्टी कार्यकर्ताओं ने पाडलकर को चुनौती दी कि वह ठाणे आकर कार्यकर्ताओं के गुस्से का सामना करें।

शरद पवार ने सीएम फडणवीस से की बात

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार जो इन दिनों कोल्हापुर दौरे पर हैं, उन्होंने सुबह सीएम फडणवीस से फोन पर बातचीत की। शरद पवार ने कहा, 'ऐसी टिप्पणियां महाराष्ट्र की संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। यह राज्य हमेशा प्रगतिशील विचारों का समर्थन करता आया है। इस तरह की बातें बिल्कुल अस्वीकार्य हैं।' उन्होंने फडणवीस से इस मामले को गंभीरता से लेने और कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

सीएम फडणवीस की प्रतिक्रिया

इस मामले में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम फडणवीस ने भी पाडलकर के बयान की निंदा की। उन्होंने कहा, 'पाडलकर युवा और आक्रामक नेता हैं। कई बार उन्हें यह समझ नहीं आता कि उनके शब्दों का असर कितना बड़ा हो सकता है। मैंने उनसे बात की है और संयम बरतने की सलाह दी है। शरद पवार जी ने भी सुबह मुझसे इस मुद्दे पर बात की थी। मैंने उन्हें भरोसा दिलाया है कि मैं भी ऐसे बयानों को सही नहीं मानता।'

सैम पित्रोदा के बयान पर रार, भाजपा बोली
26/11 हमले पर भारी पड़ा कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम

नई दिल्ली। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 26/11 हमलों के बाद भी उसने पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई नहीं की। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी और शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान से अनवरत प्रेम उसकी नीतियों में झलकता है। उन्होंने सैम पित्रोदा के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को घर जैसा बताया। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला और आरोप लगाया कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया। भाजपा ने कहा कि इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। मामला तब गरमा गया जब कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा महसूस हुआ।

सैम पित्रोदा का यह बयान विपक्ष के लिए हथियार बन गया। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया।

भाजपा प्रवक्ता का तीखा हमला प्रदीप भंडारी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की।

इसको लेकर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी कांग्रेस पर खूब हमला बोला। इस दौरान भंडारी ने कहा कि क्या कोई देशभक्त कभी यह कह सकता है कि आतंकी राज्य पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति के तहत आया है और यह 140 करोड़ भारतीयों व शहीद सैनिकों का अपमान है।

राहुल गांधी पर भी उठाए सवाल : भंडारी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पित्रोदा गांधी परिवार के करीबी हैं और लंबे समय से उनकी रणनीति तय करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में आईएसआई एजेंट शाहिद अफरीदी ने राहुल गांधी को आइडल कहा था और अब उनका नजदीकी पाकिस्तान को घर बता रहा है। भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं कि वह भारतीय राज्य से लड़ना चाहते हैं। भाजपा ने इसे देश की संप्रभुता पर हमला और कांग्रेस की राष्ट्र विरोधी सोच करार दिया।

भाजपा का आक्रामक रुख: भाजपा ने कहा कि कांग्रेस का रवैया देश की सुरक्षा और आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाने वाला रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि 26/11 जैसे बड़े हमले के बाद भी यदि सख्ती नहीं दिखाई गई तो यह कांग्रेस की मानसिकता और उसके पाकिस्तान प्रेम को दशार्ता है। भाजपा ने इस मुद्दे को आगे बढ़ाकर चुनावी राजनीति में कांग्रेस पर दबाव बनाने का इशारा भी दिया है।

कांग्रेस की 'पाकिस्तान प्रेम' वाली छवि

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आतंकवादी हाफिज सईद से यासीन मलिक के जरिए बातचीत की, 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

जल समझौते पर भी सवाल

पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान की स्थिति को समर्थन दिया और सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को 80 प्रतिशत पानी दिया। पूनावाला ने कांग्रेस को इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस तक कह दिया।

कांग्रेस की चुप्पी और भाजपा का प्रहार : जहां भाजपा नेताओं के बयानों ने माहौल गरमा दिया है, वहीं कांग्रेस की तरफ से अभी तक इस विवाद पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। भाजपा ने साफ कर दिया है कि वह इस मुद्दे को छोड़ने वाली नहीं है और हर मंच पर कांग्रेस के पाकिस्तान प्रेम का मुद्दा उठाएगी।

पूर्णिया में मूर्ति तोड़ने पर बवाल, आगजनी और तोड़फोड़
पुलिस ने की हवाई फायरिंग

पूर्णिया। पूर्णिया के मजगामा हाट में मां दुर्गा की निमार्णाधीन मूर्ति में तोड़फोड़ के बाद शुक्रवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुस्साए लोगों ने आगजनी और तोड़फोड़ की, साथ ही आरोपी युवक की पिटाई कर रस्सी से बांध दिया। पूर्णिया जिले के मजगामा हाट इलाके में शुक्रवार को तनाव की स्थिति पैदा हो गई। यहां मां दुर्गा की एक निमार्णाधीन मूर्ति में तोड़फोड़ कर दी गई, जिसके बाद गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित भीड़ ने सड़क पर आगजनी की और कई दुकानों में तोड़फोड़ कर दी।

इस दौरान भीड़ ने तोड़फोड़ के आरोप में एक मुस्लिम युवक को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई करने के बाद रस्सी से बांध दिया। सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ ने आरोपी को पुलिस के हवाले करने से इनकार कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और हालात काबू में करने के लिए 3 से 4 राउंड हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए आसपास के जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। पुलिस की शुरूआती पूछताछ में आरोपी युवक ने मूर्ति तोड़ने की बात स्वीकार कर ली है, हालांकि उसने यह कदम क्यों उठाया,

इसकी वजह अब तक साफ नहीं हो पाई है। आरोपी युवक इसी गांव का रहने वाला बताया गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मजगामा के मुखिया अबू जागीर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उनका गांव हमेशा से सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक रहा है और ऐसी घटनाएं बेहद अफसोसजनक हैं। साथ ही, उन्होंने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल पुलिस पूरे इलाके में स्थिति पर नजर बनाए हुए है और मामले की जांच जारी है।

कॉमर्स कॉलेज में सिख छात्रों से मारपीट, दस्तार की बेअदबी पर सड़कों पर उतरे छात्र

जम्मू। कॉमर्स कॉलेज जम्मू में सिख छात्रों के साथ मारपीट और दस्तार की बेअदबी को लेकर छात्रों और सिख संगठनों ने कैनाल रोड पर प्रदर्शन किया। आरोपी छात्र को कॉलेज से रस्टिकेट कर दिया गया है और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कैनाल रोड स्थित कॉमर्स कॉलेज में वीरवार को कुछ सिख छात्रों के साथ मारपीट व दस्तार के साथ बेअदबी के मामले से गुस्साए सिख छात्रों और सिख संगठनों के सदस्यों ने कॉलेज के बाहर डेढ़ घंटे तक रास्ता बंद कर धरना-प्रदर्शन किया। सिख छात्रों का आरोप था कि कॉमर्स कॉलेज के ही एक छात्र ने बाहरी युवकों के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। साथ ही धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश की।

संबंध विच्छेद

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र संजू कुमार व उसकी पत्नी से समस्त रिश्ते नाते व सम्बन्ध समाप्त कर उनको अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनसे हमारा व हमारे परिवार का कोई ताल्लुक वास्ता नही होगा तथा अपने द्वारा किये गये किसी भी लेन-देन, व्यवहार या कृत्य के लिए वे स्वय जिम्मेदार होंगे हमारे व हमारे परिवार का कोई उत्तरदायित्व किसी प्रकार का नहीं होगा।

प्रार्थीगण
कृपाल सिंह पुत्र श्री पामा एवं श्रीमती वाला पत्नी श्री कृपाल सिंह निवासीगण।
मकान नंबर-201, ग्राम-रईसपुर, थाना- मधुबन बापूधाम, जिला व तहसील-गाजियाबाद

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। शनिवार 20 सितंबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

गुरुजी का बढ़ा गए मुख्यमंत्री मान, जब मंच पर बातों में रखा हर पल पूर्व सांसद गुरुजी का ध्यान

पुस्तक विमोचन

“मुख्यमंत्री ने मंच से पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के साथ अपने संसदीय कार्यकाल को भी साझा किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आए और यह कार्यक्रम एक पुस्तक विमोचन का भी था और यह विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश का भी था। यह कार्यक्रम विजन-2047 का भी था, लेकिन यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर का मान बढ़ाया। मंच सुशोभित था मुख्यमंत्री के राइट साइड में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की कुर्सी लगी थी। मुख्यमंत्री के लेफ्ट साइड में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया की कुर्सी लगी थी। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा के बराबर में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की कुर्सी थी। यहीं लेफ्ट में मेयर सुनीता दयाल की कुर्सी थी और वरीयता का क्रम से सब बैठे थे। इसी मंच पर सबसे कोने में महंत नारायण गिरी विराजमान थे और उनके बराबर में पूर्व सासंद रमेश चंद तोमर बैठे थे।

मुख्यमंत्री से कुर्सी का फासला था, लेकिन कोई दूरी ऐसी नहीं थी और यहां मुख्यमंत्री ने यानी पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर को लेकर अपने शब्दों से उनका मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री को विजन-2047 पर बोलना था और इसके लिये प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। जिलाधिकारी, जीडीए वीसी, नगर आयुक्त सहित सभी प्रशासनिक टीम एक्टिव थी और यहां मुख्यमंत्री ने इस विजन के बीच में गुरुजी यानी पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर की जमकर प्रशंसा की।

उन्होंने गुरुजी द्वारा लिखित पुस्तक भारत वर्ष की स्वणार्भा: नरेंद्र मोदी पुस्तक के बारे में अपनी राय रखी। उन्होंने कई बार पुस्तक का नाम लिया, पुस्तक के लेखक का नाम लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये भी बताया कि पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर की प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी को बोलना अच्छा आता है, किसी को लिखना अच्छा आता है, लेकिन पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनको बोलना भी अच्छा आता है और लिखना भी अच्छा आता है। वो एक अध्यापक रहे हैं और इनमें उन सभी गुणों का समावेश है। उन्होंने एक ऐसी पुस्तक लिखी है जिसमें प्रधानमंत्री की उपलब्धियों का उल्लेख है। जब मुख्यमंत्री मंच से गुरुजी का मान-सम्मान बढ़ा रहे थे तो गुरुजी के चेहरे पर मुस्कराहट थी। मुख्यमंत्री ने सभी से आहवान किया कि वो इस पुस्तक को पढ़ें और ये पुस्तक लाइब्रेरियों में भी नजर आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिये यह एक उत्तम पुस्तक है।

जब लिया विकास तोमर ने आशीर्वाद तो चर्चा हो गई शुरू

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के सुपुत्र विकास तोमर आमतौर पर राजनीतिक मंचों से दूर रहते हैं, लेकिन जब पिता द्वारा लिखित पुस्तक का लोकार्पण था तो विकास तोमर भी यहीं थे। पुस्तक विमोचन के दौरान विकास तोमर ने भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने मंच से आशीर्वाद दिया और यहीं से चचार्एं शुरू हो गईं। राजनीतिक प्रोफाइल है तो सियासत वाले गुणा भाग लगाएंगे ही पुस्तक विमोचन के मौके पर विकास तोमर मंच पर आए और उन्होंने मुख्यमंत्री से जैसे ही आशीर्वाद लिया वैसे ही भविष्य की सियासी लॉन्चिंग को लेकर चर्चा होने लगी।

मुख्यमंत्री ने मंच से पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के साथ अपने संसदीय कार्यकाल के पलों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि मुझे वर्ष 2017 के पहले के हालातों की भी जानकारी है और यहां पर मुख्यमंत्री ने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने मुझे अपने घर पर बुलाया था और उन्होंने साग, रोटी का भोजन कराया था। कुल मिलाकर कार्यक्रम का निचोड़ यही रहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच से पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर का मान बढ़ाकर गए हैं।

नोएडा-बिजनौर-आगरा के अंधविश्वास से सीएम ने उठाया पर्दा, बोले-

मैं जो संकल्प लेता हूं उसे हर हाल में करता हूं पूरा

सीएम का संकल्प

“सीएम ने कहा, अगर मानव का संकल्प दृढ़ है तो फिर उसके आगे कोई भी बाधा टिक नहीं सकती

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद में आए तो यहां उन्होंने विजन-2047 पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि हम जो कुछ भी कर रहे हैं हमें सकल्पबद्ध होकर वह करना होगा और फिर उन्होंने यहां नोएडा, बिजनौर, आगरा से जुड़े अंधविश्वासों से पर्दा उठाया। उन्होंने इन जिलों से जुड़े मिथक बताए और कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री बना था तो मैंने उससे पहले यही सुना था कि जो मुख्यमंत्री नोएडा आता है वो दोबारा सीएम नहीं बनता। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही सबसे पहले इसी अंधविश्वास को खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि हालात कुछ और थे और बताया कुछ और जा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि नोएडा को लेकर इसलिये यह प्रोपगेंडा था कि यहां की व्यवस्था पर मुख्यमंत्री की नजर ना पड़े। इसलिये मिथ मैसेज ऐसा माहौल बना दिया कि जो यहां आता है वह दोबारा सीएम नहीं बनता। लेकिन मैंने मुख्यमंत्री बनने के बाद तय किया और मैं संकल्प लेकर नोएडा आया, मैंने अपना दौरा लगवाया और एक बार नहीं कई बार आया। मैं नोएडा आने के बाद भी फिर से मुख्यमंत्री बनकर आपके सामने हूं। इसी तरह उन्होंने बिजनौर को लेकर कहा कि बिजनौर के बारे में भी यह बात फैला दी गई थी कि यहां अगर कोई भी मुख्यमंत्री रात्रि प्रवास करता है तो वह दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनता। कहा जाता था कि यहां पर अगर मुख्यमंत्री रात में रुकेंगे तो इसके निगेटिव इफेक्ट आते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैंने अधिकारियों से कहकर अपना दौरा रखवाया और कहा कि मैं रात्रि प्रवास बिजनौर में ही करुंगा। अधिकारियों ने पुराने मिथ का हवाला दिया तो मैंने भी उनसे रुकने की व्यवस्था को लेकर पूछा। उन्होंने यहां होटल व अन्य सुविधाओं की बात कही तो उन्होंने फिर कहा कि मंत्री यहां रुकते हैं तो जवाब मिला कि हां, तो मैंने भी अधिकायिो से कहा कि मैं संकल्प ले चुका हूं और अगर कोई व्यवस्था तुम्हारी नहीं होगी तो मैं किसी कार्यकर्ता के यहां रुक जाऊंगा। मुख्यमंत्री की इस बात को सुनकर लोगों ने ताली बजाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसके बाद मैं बिजनौर में रुका। इसके बाद मुख्यमंत्री ने आगरा की बात का जिक्र किया। उन्होंने आगरा का उदाहरण दिया और कहा कि आगरा को लेकर यह प्रचारित किया गया था कि यहां गेस्टहाउस में भूत का साया है।

मैंने अपना संकल्प दोहराया और फिर मैंने कह दिया कि मैं आगरा प्रवास करुंगा और इसके बाद मैं रुका और मुझे भूत नहीं दिखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दीनदयाल उपाध्याय सभागार में काफी लाइट मूड में नजर आए और उन्होंने इन घटनाओं के जरिये सभी कार्यकताओं को गुदगुदाया और फिर ये संदेश भी दिया कि अगर मानव कासंकल्प दृढ़ है तो फिर उसके आगे कोई भी बाधा टिक नहीं सकती।

ये सीन भी रहेगा भगवा गढ़ में रेयर ऑफ द रियरेस्ट

जब अपनी ही सरकार में सीएम के आने पर भाजपा पार्षद हो गए हाउस अरेस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। आमतौर पर ये होता है कि जब कभी मुख्यमंत्री का आगमन होता है तो किसी भी संभावित विरोध को टालने के लिये और उस विरोध से पैदा होने वाले संभावित गतिरोध को रोकने के लिये पुलिस निरोधक कार्यवाही करते हैं। इसके तहत विपक्ष के नेताओं को पहले ही उनके घरों पर नजरबंद कर लिया जाता है। पूर्व में भी ऐसा हुआ है और कई नेता नजरबंद हुए हैं। लेकिन भगवा गढ़ में एक ऐतिहसिक सीन तब हुआ जब मुख्यमंत्री आ रहे थे और भाजपा पार्षदों को पुलिस खोज रही थी और उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया गया। पार्षदों की धरपकड़ रात में ही शुर हो गई और वो नजरबंदी से तब रिहा हुए जब मुख्यमंत्री शासकीय प्लेन में बैठकर रवाना हुए। राजनीति में ये सीन रेयर ऑफ द रियरेस्ट आता है। जिन भाजपा पार्षदों को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सभागार में होना था वो पार्षद पुलिस के घेरे में बैठे थे। प्रशासन ने पार्षदों को पास जारी किया था और इधर पुलिस ने उनके हाउस अरेस्ट होने का फरमान जारी कया था। हालांकि हाउस अरेस्ट होने वालों में विपक्ष के एक पूर्व पार्षद भी थे। जिन पार्षदों को हाउस अरेस्ट किया गया उनमें भाजपा पार्षद नीरज गोयल, भाजपा पार्षद हिमांशु शर्मा, पूर्व पार्षद जाकिर सैफी भी थे।

जब भाजपा पार्षद नीरज गोयल हुए अपने दफ्तर पर हाउस अरेस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम पार्षद और निगम कार्यकारिणी सदस्य नीरज गोयल ने बताया कि गुरुवार की रात से ही पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया था। रात्रि नौ बजे ही उनके घर पर पुलिस आ गई। तब वो घर पर नहीं थे, इसके बाद पुलिस के दरोगा ने उन्हें फोन किया और पूछा कि क्या सीएम से मिलोगे। नीरज गोयल के हां कहते ही दरोगा ने कहा कि मुझे आपसे मिलना है। नीरज गोयल ने अपनी लोकेशन बताई और कहा कि मैं खुद सुबह आठ बजे आपके पास आ जाऊंगा। इसके बाद शुक्रवार की सुबह आठ बजे पुलिस घर आ गई। भाजपा पार्षद ने रिक्वेस्ट की कि मेरे माता-पिता बुजुर्ग हैं वो पुलिस देखकर असहज रहेंगे और मैं पार्षद जनसुनवाई केंद्र पर चल रहा हूं। आप मुझे वहीं पर नजरबंद कर लीजिये। इसके बाद भाजपा पार्षद साढ़े आठ बजे से लेकर शाम साढ़े पांच बजे तक पुलिस की निगरानी में नजरबंद रहे। वो तब छूटे जब मुख्यमंत्री चले गए।

पुलिस ने रात को ही डाल दिया था हिमांशु शर्मा के घर पर डेरा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री आ रहे थे और पुलिस भाजपा पार्षदों को तलाश रही थी। वार्ड-75 के पार्षद हिमांशु शर्मा के पास तो मुख्यमंत्री के आगमन की पूर्व संध्या पर ही पुलिस का फोन आ गया। दरोगा जी ने उन्हें बता दिया कि आप कहीं नहीं जाओगे और शाम को पांच बजे जब ये फोन आया तो उसके तुरंत बार पुलिस उनके घर आ गई। मुख्यमंत्री को सुबह आना है, लेकिन पुलिस ने रात में ही भाजपा पार्षद के घर पर डेरा डाल दिया और रात का खाना भी पुलिस ने पार्षद के साथ ही खाया और इस बात का पूरा ध्यान रखा कि पार्षद जी दांय-बांय ना हो जाए। रात से लेकर अगले दिन शाम तक पुलिस भाजपा पार्षद के घर पर रही और उन्हें शाम पांच बजे तब रिहा किया जब मुख्यमंत्री रवाना हो गए।

पूर्व पार्षद जाकिर सैफी भी रहे नजरबंद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। हालांकि इंतजार तो विपक्ष वालों की नजरबंदी का था, लेकिन विपक्ष वालों मे पूर्व पार्षद जाकिर सैफी का नंबर आया। जाकिर सैफी ने भी बता दिया कि घर के बजाये दफ्तर पर हाउस अरेस्ट होना पसंद करूंगा। पुलिस ने भी पूर्व पार्षद जाकिर सैफी को मुख्यमंत्री के जाने तक अपनी नजरबंदी में रखा।

आज से शुरू होगा पश्चिमी यूपी में वकीलों का बड़ा आंदोलन

हाईकोर्ट बेंच स्थापना की गाजियाबाद से उठी निर्णायक मांग

आर-पार

“अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि यह केवल अधिवक्ताओं का नहीं, बल्कि आम जनता का आंदोलन है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। गाजियाबाद बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को अध्यक्ष दीपक शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन सचिव अमित कुमार नेहरा ने किया। बैठक में अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 10 करोड़ से अधिक जनता न्याय के लिए 600 किलोमीटर दूर इलाहाबाद भटकने को मजबूर है। यह केवल अधिवक्ताओं का नहीं, बल्कि आम जनता का आंदोलन है। अब यह आर-पार की लड़ाई होगी और जब तक हाईकोर्ट बेंच की स्थापना नहीं होती, यह संघर्ष जारी रहेगा।

आज से शुरू होगा ज्ञापन कार्यक्रम

अलग-अलग ज्ञापन कार्यक्रम शुरू होंगे। शनिवार को सुबह 11:30 बजे बार रूम प्रांगण में अधिवक्ता एकत्र होकर जिलाधिकारी को ज्ञापन देंगे, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुँचाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील

करंट क्राइम : अधिवक्ता गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीतपाल त्यागी से भी मिलकर मांग पत्र उनके माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजेंगे। वही यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला भी लिया गया है। हाईकोर्ट बेंच स्थापना के समर्थन में शनिवार को गाजियाबाद के सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे।

आंदोलन में व्यापक समर्थन

करंट क्राइम : बैठक में यह भी तय हुआ कि आंदोलन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। इसके लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, किसान संगठनों और जाट संगठनों को भी जोड़ा जाएगा। अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट बेंच की स्थापना केवल वकीलों की मांग नहीं है, यह पश्चिमी यूपी की जनता का संवैधानिक हक है। हम जनता को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लगभग दो दशक से जा रही है हाई कोर्ट बेंच की मांग का आंदोलन

करंट क्राइम : हाईकोर्ट बेंच की मांग पश्चिमी यूपी के 22 जिलों के अधिवक्ता लंबे समय से करते आ रहे हैं। बार एसोसिएशन का कहना है कि इलाहाबाद में मुख्यालय होने के कारण पश्चिमी यूपी के लोगों को न्याय पाने में समय और धन की भारी बबार्दी होती है। दशकों से लंबित यह मांग अब निर्णायक चरण में पहुँच गई है।

जब पूर्व विधायक ने सुना मुख्यमंत्री का संबोधन बैठ कर जमीन पर, एक संदेश दिया कि कार्यकर्ता संस्कृति कैसी होती है

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व विधायक रूप चौधरी ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन को जिस तरह से सुना वो एक संदेश कार्यकताओं के लिए है। आमतौर पर कार्यकर्ता के लिए कहा जाता है कि कार्यकर्ता दरी बिछाता है। कार्यकर्ता नारे लगाता है। भाजपा में कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोच्च है और इसीलिए कार्यकर्ता को देवतुल्य कहा जाता है। लेकिन देवतुल्य कार्यकर्ता की संस्कृति क्या है इसको बिना शब्द के पूर्व विधायक रूप चौधरी ने दिखाया। पूर्व विधायक रूप चौधरी लोनी से विधायक रहे हैं, पत्रकार हैं और भाजपा के पुराने समर्पित कार्यकर्ता हैं। वो चाहते तो उनके लिए पूर्व विधायक होने के नाते पास आता। वो चाहते तो पूर्व विधायक होने के नाते मंच के सामने की कुर्सी पर विराजमान होते और वो ये सब व्यवस्थाऐं बड़ी आसानी से कर सकते थे। लेकिन पूर्व विधायक रूप चौधरी ने वास्वत में कार्यकर्ता संस्कृति का बडा संदेश दिया। जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद में दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आये तो यहां पूर्व विधायक रूप चौधरी जमीन पर बैठे थे। वो किसी विरोध में, धरने पर या नाराज होकर नहीं बैठे थे। वो एक कार्यकर्ता की भांति अपने मुख्यमंत्री का संबोधन सुनने के लिए बैठे थे और उन्हें किसी बात की शिकायत भी नहीं थी और उनका ये अंदाज काफी चर्चा में रहा। लोगों ने इसे पसंद भी किया और पूर्व विधायक रूप चौधरी कार्यकर्ता संस्कृति का एक बड़ा संदेश अपने इस अंदाज से देने में सफल रहे है।

नमो मैराथन की तैयारियों की कमान सिद्धार्थ युगल के हाथों में

कहा- 22 हजार से ज्यादा युवा दौड़ेंगे और देंगे एक बड़ा नमो संदेश

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। सेवा पखवाड़े में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है और इस आयोजन की कड़ी में भाजपा युवा मोर्चा नमो मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन करा रहा है।

भाजपा के युवा नेता सिद्धार्थ युगल नमो मैराथन प्रतियोगिता को-इंचार्ज हैं। नमो मैराथन की तैयारियां जोरो पर हैं। दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में नमो मैराथन प्रतियोगिता के को-इंचार्ज सिद्धार्थ युगल ने कहा कि इस प्रतियोगिता को लेकर युवाओं में बेहद जोश है और इसकी तैयारियां पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 20 हजार से ज्यादा युवा अपना पंजीकरण करा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मैराथन को लेकर बड़े स्तर पर तैयारी चल रही है। सेवा पखवाड़े के तहत नमो मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। सिद्धार्थ युगल ने बताया कि सबसे खास बात ये है कि युवाओं में इस प्रतियोगिता को लेकर जोश है। वो खुद को इसके लिये तैयार कर रहे हैं। हमारी उम्मीद से ज्यादा युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराए हैं। यह प्रतियोगिता 21 सितंबर को सुबह शुरू होगी। यह प्रतियोगिता राजनगर एक्सटेंशन के केडब्ल्यू दिल्ली-6 से शुरू होकर रिवर हाईट होते हुए वापस इसी डेस्टिनेशन पर समाप्त होगी। यह लगभग चार किमी का रास्ता है।

सिद्धार्थ युगल ने कहा कि इस प्रतियोगिता को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। सभी युवा साथियों ने इसके लिये मेहनत की है। यह मैराथन यात्रा भाजपा युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष सचिन डेढा के नेतृत्व में निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि आज यानी 20 सितंबर को फार्म जमा करने की अंतिम तारीख है। अभी भी हमारे पास युवाओं के निवेदन आ रहे हैं वो पंजीकरण करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद टू-वे कम्यूनिकेशन के तहत युवाओं को जोड़ा जा रहा है। इस नमो मैराथन रेस में 18 वर्ष से लेकर 30 वर्ष की आयु के युवा भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी युवाओं को कॉम्पलीमेंट्री प्राइज भी दिये जाएंगे। सिद्धार्थ युगल ने कहा कि हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से जोड़ना है और हमने इस दिशा में काम किया है और कर रहे हैं।

Re - Tender notification for supply of Raw material for Ghaziabad Handloom cluster

MSME — MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES — सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
csDISHAA FOUNDATION

Supply of Raw material for Ghaziabad Handloom loom cluster

Ghaziabad handloom cluster is the joint venture of csdishaa foundation , uttar pradesh khadi board and MSME central ministry. In ghaziabad handloom cluster 973 local artisans will make khadi handloom product. For khadi handloom list of detailed Raw Material is available in tender document.
Interested bidder can downlaod the tender from www.csdishaafoundation.com

Detailed Description of Machines, Supply Installation, and Maintenance is available in tender form.
Details of tender is available in tender form and tender will be available from 15th September 2025 to 21st September 2025

संपादकीय

कुपोषण बनाम स्वस्थ भारत

शुभकामनाओं और बधाइयों का सैलाब उमड़ आया था। देश के प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन था। यह भी खुशगवार लगा कि उन्होंने जिंदगी के 75 बसंत जी लिए हैं। बेशक वह अपने कालखंड के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा बदल दी है। प्रधानमंत्री मोदी एक वैश्विक किरदार में भी हैं। जिन्होंने इस खास मौके पर प्रधानमंत्री का महिमामंडन किया, गरीब बचपन से लेकर देश के सर्वोच्च नेता तक के सफर की कहानियां सुनाईं, यह उनकी मजबूरी और प्रतिबद्धता हो सकती है! बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के परंपरागत खांचे को तोड़ कर कई अभूतपूर्व फैसले किए। नए प्रतिमान गढ़े। प्रत्येक प्रधानमंत्री के हिस्से ऐसे फैसले और काम आते रहे हैं, लिहाजा उन्हें कुछ मायनों में ह्यदूरदर्शीह्ल भी माना जाता रहा है। यह दीगर है कि कोई उनकी व्याख्या किस तरह करता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन का यह नारा तय किया था– ह्यस्वस्थ नारी, सशक्त परिवार ह्ल इस आशय के सरकारी विज्ञापन भी मीडिया में छपवाए गए। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि माताओं, बहनों, बेटियों के स्वास्थ्य की सम्यक जांच कराई जाए। ऐसे लाखों मेगा स्वास्थ्य शिविर देश भर में 2 अक्तूबर तक चलाए जा रहे हैं। जांच, दवाएं और इलाज सब कुछ निशुल्क होंगे। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सरकारी तिजोरी से बढ़ कर माना है। बेशक पहल और मंशा अच्छी और सामुदायिक है, लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के कुछ निष्कर्ष हमें चिंतित करते हैं, प्रधानमंत्री मोदी को भी चुभेंगे, यदि उनके सामने ये आंकड़े पेश किए जाएंगे। कुपोषण आज भी सामाजिक, आर्थिक, वर्गीय और भयावह समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 15–49 आयु–वर्ग की 57 फीसदी महिलाओं में एनीमिया (खून या हीमोग्लोबिन की कमी) पाया जाता है। 5 साल से कम उम्र के करीब 36 फीसदी बच्चे बौने हैं, 32 फीसदी से ज्यादा बच्चे कम वजन के और 19.3 फीसदी बच्चे शारीरिक–मानसिक रूप से कमजोर हैं। करीब 74 फीसदी आबादी में स्वस्थ, पोषक आहार प्राप्त करने का सामर्थ्य ही नहीं है। उच्च गरीबी दर वाले इलाकों में कुपोषण की दर अधिक पाई गई है। भारत सरकार ने लक्ष्य तय किया था कि 2022 तक देश को कुपोषण–मुक्त बना दिया जाएगा।

ऐसा नहीं हो पाया। यदि नारी और बच्चे ही कुपोषित हैं, तो उनके परिवार, समाज, देश स्वस्थ कैसे हो सकते हैं? देश का विकास सर्वांगीण कैसे हो सकता है? हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी को इन स्थितियों की जानकारी होगी! प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन पर ही राष्ट्रीय पोषण मिशन के अगले चरण का शुभारंभ किया है। इसके अलावा, एकीकृत बाल विकास योजना सरीखे कई कार्यक्रम भारत सरकार चला रही है। सवाल है कि कुपोषण रूपी कैंसर कम क्यों नहीं हो पा रहा है? इसके अलावा दिल्ली, हरियाणा, बिहार के लिंगानुपात के आंकड़े खतरे की घंटी बजा रहे हैं। दिल्ली देश की राजधानी है, वहां पिछले साल की जन्म और मृत्यु की सालाना रपट स्पष्ट कर

'म्यूचुअल फंड प्रवाह से भारतीय बाजार में बड़ी गिरावट टली', जेफरीज की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। जेफरीज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय शेयर बाजार को बड़े पैमाने पर म्यूचुअल फंड निवेशों का सहारा मिल रहा है। यह भारी निकासी के बावजूद बड़ी गिरावट को रोक रहे हैं। जेफरीज के भारत कार्यालय का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर की सप्लाई आएगी।

भारतीय शेयर बाजार को बड़े पैमाने पर म्यूचुअल फंड निवेशों का सहारा मिल रहा है। यह भारी निकासी के बावजूद बड़ी गिरावट को रोक रहे हैं। जेफरीज की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर म्यूचुअल फंड से लगातार इनफ्लो न होते, तो मार्केट में आपूर्ति की अधिकता से भारी गिरावट आ सकती थी। बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर के निवेश की उम्मीद रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के शेष हिस्से में भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रहेगी क्योंकि म्यूचुअल फंड इनफ्लो लगातार इक्विटी सप्लाई को अवशोषित कर रहे हैं। जेफरीज के भारत कार्यालय का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर की सप्लाई आएगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉरपोरेट और प्राइवेट इक्विटी निवेशक अपने हिस्सेदारी बेचते समय मौजूदा आकर्षक वैल्यूएशंस का लाभ उठाने के इच्छुक हैं। रिपोर्ट के अनुसार, टरउक इंडिया अभी भी अगले वर्ष के अनुमानित लाभ पर 22 गुना ट्रेड कर रहा है, और अगर वित्तीय क्षेत्र को अलग किया जाए तो यह मल्टीपल 25 गुना तक बढ़ जाता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर वर्तमान में बाजार स्थिर ही रहता है, तो नए कैलेंडर वर्ष में रैली की संभावना बनी हुई है। इस संभावित बढ़त के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि के संकेत महत्वपूर्ण होंगे। यह आसान नीतिगत उपायों से शुरू हो सकती है।

पिछले पांच महीनों में 21 अरब डॉलर का इनफ्लो हुई दर्ज

वित्त वर्ष की शुरूआत 1 अप्रैल से पिछले पांच महीनों में म्यूचुअल फंड में कुल 21 अरब डॉलर की इनफ्लो दर्ज की गई है। इसमें लगभग तीन अरब डॉलर हर महीने एसआईपी यानी व्यवस्थित निवेश योजना के जरिए आए हैं।

एसआईपी से बाजार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच

विशेषज्ञों का कहना है कि ये एसाईपी फ्लो, जिसमें निवेशक हर महीने तय राशि निवेश करते हैं, बाजार में सप्लाई को प्रति माह 6 से 10 अरब डॉलर की दर से अवशोषित करते हुए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। हालांकि निकट भविष्य में इक्विटी की आपूर्ति में कमी आने की संभावना नहीं है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि अगर अचानक गिरावट नहीं आई तो अगले 12 महीनों में बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर की नई आपूर्ति देखने को मिल सकती है।

जीएसटी 2.0 से परिवारों और एमएसएमई को राहत

FICCI ने कहा- लोगों के पास बचेगा पैसा

नई दिल्ली। फिक्की की समिति कैस्केड (कैस्केड) की रिपोर्ट के अनुसार सरकार की जीएसटी 2.0 की घोषणा से न केवल परिवारों पर कर का बोझ कम होगा, एमएसएमई को सशक्त बनाया जाएगा और औपचारिकता में तेजी आएगी। इसमें कहा गया कि उपभोक्ताओं के हाथों में अधिक खर्च किए आय होगी। सरकार की जीएसटी 2.0 घोषणा से न केवल घरों का कर बोझ कम होगा बल्कि एमएसएमई को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था में औपचारिककरण की रफ्तार भी बढ़ेगी। यह कदम भारत को एकल कर व्यवस्था के सपने के और करीब ले जाएगा।

फिक्की की समिति कैस्केड (कैस्केड) की रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी ढांचे में सुधार से 5% टैक्स स्लैब में आने वाली वस्तुओं की संख्या तीन गुना तक बढ़ जाएगी। अभी 54 उपभोग श्रेणियां इस दायरे में हैं, जिन्हें जीएसटी 2.0 के तहत बढ़ाकर 149 कर दिया जाएगा।इसमें कहा गया कि परिणामस्वरूप, ग्रामीण

ग्रामीण और शहरी खपत बढ़ने की संभावना

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण परिवारों की खपत टोकरी में टैक्स–फ्री और मेरिट गुड्स का हिस्सा 56.3% से बढ़कर 73.5% तक पहुंच जाएगा। वहीं शहरी परिवारों के लिए यह हिस्सा 50.5% से बढ़कर 66.2% तक होने की संभावना है।

परिवारों के लिए प्रभावी जीएसटी दर 6.03 प्रतिशत से घटकर 4.27 प्रतिशत हो गई है। वहीं शहरी परिवारों के लिए यह 6.38 प्रतिशत से घटकर 4.38 प्रतिशत हो गई।

जीएसटी कटौती से ट्रैक्टर होंगे सस्ते कृषि मंत्री शिवराज ने कंपनियों से कहा- किसानों तक पहुंचाएं लाभ

नई दिल्ली। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को ट्रैक्टर और कृषि उपकरण निमार्ताओं से अपील की कि 22 सितंबर से लागू होने वाली जीएसटी कटौती का सीधा लाभ किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस कदम से अलग-अलग श्रेणी के ट्रैक्टरों की कीमतों में 23,000 रुपये से लेकर 63,000 रुपये तक की कमी आएगी। इस बैठक में ट्रैक्टर एवं मशीनीकरण एसोसिएशन (टीएमए), कृषि मशीनरी निमार्ता एसोसिएशन (एएमएमए), अखिल भारतीय कम्बाइन हार्वेस्टर निमार्ता एसोसिएशन (एआईसीएमए), पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीटीएआई) और अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केंद्र का उद्देश्य चौहान ने कहा कि जीएसटी में कमी से किसानों को सीधा लाभ होगा। सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना है, जिसके लिए न केवल उत्पादन बढ़ाना जरूरी है, बल्कि खेती की लागत को भी कम करना है। किन ट्रैक्टर पर होगी कितनी कटौती मंत्री ने विभिन्न ट्रैक्टर श्रेणियों में अपेक्षित मूल्य कटौती की जानकारी दी। इसमें 35 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 41,000 रुपये, 45 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 45,000 रुपये, 50 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 53,000 रुपये और 75 एचपी ट्रैक्टरों के लिए 63,000 रुपये। बागवानी में इस्तेमाल होने वाले कॉम्पैक्ट ट्रैक्टरों की कीमत में लगभग 23,000 रुपये की कमी आएगी।

कस्टम हायरिंग सेंटर्स पर उपलब्ध मशीनों की लागत घटेगी

चौहान ने कृषि उपकरण कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद कहा कि जीएसटी में कमी से न केवल ट्रैक्टर सस्ते होंगे बल्कि देशभर में चल रहे कस्टम हायरिंग सेंटर्स (उ्लउ२) पर उपलब्ध मशीनरी की लागत भी घटेगी। इसके चलते किसानों को किराये पर मशीनें लेने में भी राहत मिलेगी। कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) का प्राथमिक उद्देश्य सीमांत और छोटे किसानों को रियायती दरों पर कृषि उपकरण और मशीनरी किराए पर उपलब्ध कराना है।

भारत के डाक क्षेत्र की वैश्विक धमक, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की काउंसिल में फिर मिला निर्वाचन

नई दिल्ली। दुबई में आयोजित 28वें यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (वढव) कांग्रेस में भारत को एशिया पैसिफिक ग्रुप ऑफ पोस्टल ऑपरेशंस काउंसिल और काउंसिल ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन के 2025-28 के कार्यकाल के लिए फिर से निर्वाचन मिला है। यह उपलब्धि भारत की डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण और नवाचार को वैश्विक स्तर पर मिल रही मान्यता को दशार्ती है। भारत ने एक बार फिर वैश्विक डाक व्यवस्था में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने एक्स पर लिखा, भारत की एक और उपलब्धि! वढव की अहम परिषदों में पुनः निर्वाचन हुआ है। हम सभी सदस्य देशों का आभार व्यक्त करते हैं और भारत पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि वह अपनी नवोन्मेषी डाक सेवाओं को न केवल अपने नागरिकों तक, बल्कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी साझा करेगा।

यूपीआई–यूपीयू इंटीग्रेशन : क्रॉस–बॉर्डर पेमेंट्स में क्रांति

दुबई कांग्रेस में भारत की सबसे बड़ी पेशकश रही यूपीआई–यूपीयू इंटेगरेशन प्रोजेक्ट। इस महत्वाकांक्षी पहल का नेतृत्व डाक विभाग, एनपीसीआई इंटरनेशन पेमेंट्स लिमिटेड और यूपीयू ने मिलकर किया है। इसका उद्देश्य है भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (वढक) को यूपीओ के इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म से जोड़ना। इस पहल से भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए विदेश से भारत पैसे भेजना होगा बेहद आसान, सुरक्षित और सस्ता हो जाएगा। इससे करोड़ों भारतीय परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा और आर्थिक विकास की नई राह खुलेगी।

रोचक तथ्यों का करंट

- रोजाना एक कप पिस्ता आवश्यक फॉस्फोरस की 60 फीसदी जरूरत को पूरा करता है। यह डायबिटीज से भी बचाता है। भुना हुआ पिस्ता न खाएं, क्योंकि इसमें सोडियम अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है।
- पिस्ता में बायोटिन पाया जाता है। बायोटिन बालों को झड़ने से रोकता है। पिस्ता आंखों की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है।
- यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो पिस्ता खाना शुरू कर दें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइवर जल्दी भूख नही लगने देते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल को कम करता है और गुड एलडीएल को बढ़ाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाकर दिल को मजबूत बनाए रखता है।
- इसमें मौजूद विटामिन बी 6 खून में ऑक्सीजन ले जाता है। प्रतिदिन इसके सेवन से खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है व हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है।
- इसमें विटामिन–ई और वसा युक्त घुलनशील एन्टी–ओक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करते हैं।

राशिफल

मेष : खुशियों से भरा एक अच्छा दिन। आने वाले निवेश के नए अवसरों पर विचार करें। लेकिन पैसा तभी निवेश करें जब आप उन योजनाओं का अच्छी तरह से अध्ययन करें।

वृष : आज का दिन एक नया तोहफा लेकर आया है। मन में कई सकारात्मक भावनाएँ आएंगी। इस राशि के बेरोजगार लोगों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन : काम की गुणवत्ता बनाए रखनी होगी। अजनबियों पर ज्यादा भरोसा न करें। थकान और चिंता रहेगी। आज आपको किसी पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है।

कर्क : एक सज्जन के दिव्य वचन आपको संतुष्टि और सांत्वना देंगे। क्रेडिट मांगने वाले लोगों को अनदेखा करें। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को ताजा करने का दिन है।

सिंह : दिन सामान्य रहेगा। माता की कृपा से किए गए कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा।

कन्या : सुबह मन क्रोधित रहेगा। व्यर्थ का धन व्यय होगा। अगर किसी को गुमराह किया जा रहा है, तो उस पर नजर रख सकते हैं, लेकिन इसे गुप्त रूप से करना होगा।

तुला : आप में शीघ्र धन कमाने की प्रबल इच्छा होगी। ऐसा लगता है कि आप पारिवारिक मोर्चे पर बहुत खुश नहीं हैं और कुछ बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। ऑफिस के किसी जरूरी काम में सीनियर आपकी मदद कर सकते हैं, जिससे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

धनु : आज किसी व्यवसायी व्यक्ति को नया बिजनेस पार्टनर या ऑफर मिल सकता है। अविवाहितों को लंबे समय बाद मिलने का मौका मिल सकता है।

मकर : आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। यात्रा करने और पैसे खर्च करने के मूड में रहेंगे – लेकिन अगर करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

कुंभ : आत्मविश्वास और उम्मीदों से भरा दिन है। जीवन में कुछ करने का निर्णय ले सकते हैं, कुछ नए अनुभव आपको प्राप्त होंगे। आपको अपने क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मीन : प्रेमी का साथ पाना आज सबसे बड़ी चुनौती होगी। प्रेमी किसी बात को लेकर नाराज हो सकता है। किसी मित्र को परेशानी या परेशानी में देखकर आप भावुक हो जाएंगे।

चुटकुले

भिखारी– ऐ भाई एक रुपया देदे, तीन दिन से भूखा हूं
संजू– तीन दिन से भूखा है तो एक रुपये का क्या करेगा..?
भिखारी– वजन तोलूंगा कितना घटा है..!!
जवाब सुनते ही संजू बेहोश

बच्चा – मम्मी आप कहती हैं कि परियां उड़ती हैं, फिर पड़ोस की आंटी क्यों नहीं उड़ती?
मम्मी – वह कबसे परी हो गई?
बच्चा – पापा ही तो आंटी को परी कहते हैं।
मम्मी – तो फिर बेटा आज वो परी भी उड़ेगी और तेरे पापा भी।

पत्नी – मेरे गांव में बोलने वाला पहला रेडियो मेरे पापाजी लेकर आए थे।
पति – अपनी मम्मी के बारे में ऐसा नहीं बोलते, पगली।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

भ्रष्टाचार पर अधिकारियों की सख्ती: दो पुलिसकर्मी निलंबित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने नागरिक सेवा में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण/यातायात) के आदेश पर भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता में लिप्त पाए गए दो पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

पहला मामला : थाना लोनी बॉर्डर से जुड़ा है, जहां आरक्षी पुष्पेन्द्र मसरोही का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऑडियो वायरल हुआ। उसमें वह कथित रूप से ऑटो चालकों से वसूली की बात करता सुनाई दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण/यातायात) ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की।

दूसरे मामला: इसमें मुख्य आरक्षी संजय कुमार, जो यातायात विभाग में तैनात है, का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में वह स्कूटी के पीछे बैठकर ऑटो का पीछा करते नजर आए। इस कृत्य को गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई।

गाजियाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार और गैर-जिम्मेदाराना आचरण के प्रति किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस कमिश्नरेट ने दोहराया कि वह नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और पारदर्शी, उत्तरदायी तथा जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। यह कार्रवाई पुलिस विभाग की भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त और जीरो टॉलरेंस नीति को दशार्ती है।

पुलिस कमिश्नरेट में भ्रष्टाचार पर सख्ती, 6 पुलिसकर्मी निलंबित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में भ्रष्टाचार और लापरवाह कार्यशैली के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस फीडबैक सेल पर नागरिकों से लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए 18 सितंबर को 06 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया। इनमें थाना इंदिरापुरम, कौशांबी, कोतवाली नगर और दुहाई क्षेत्र से जुड़े पुलिसकर्मी शामिल हैं।

इन पर हुआ है एक्शन

1. उपनिरीक्षक ऋषभ शुक्ला (थाना इंदिरापुरम)।
2. उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार (थाना कौशांबी)
3. मुख्य आरक्षी संदीप वर्मा (थाना इंदिरापुरम)।
4. आरक्षी अवधेश चौधरी (थाना कोतवाली नगर)।
5. आरक्षी कबीर सिंह (थाना इंदिरापुरम)।
6. आरक्षी शाहनवाज (थाना इंदिरापुरम)।

लापरवाह पुलिसकर्मियों पर लगातार हो रहा है एक्शन : सीपी

करंट क्राइम : इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ नागरिकों से मिली नकारात्मक प्रतिक्रियाओं और शिकायतों को देखते हुए जोन के पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ने निलंबन की कार्रवाई की। कमिश्नरेट गाजियाबाद ने भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी पुलिस व्यवस्था के लिए फीडबैक सेल और कंट्रोल रूम की स्थापना की है, जहां नागरिक बिना किसी डर या औपचारिकता के अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज कर सकते हैं। पुलिस आयुक्त का कहना है कि इस व्यवस्था से पुलिस सेवाओं का निष्पक्ष आकलन हो रहा है और नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। गाजियाबाद पुलिस ने साफ किया है कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पारदर्शी, उत्तरदायी और जवाबदेह पुलिसिंग ही कमिश्नरेट का लक्ष्य है।

श्रीलंका के वेलालगे पिता के निधन के कारण स्वदेश लौटे, मलिंगा और नबी ने जताया दुख

श्रीलंका। श्रीलंका के दुनीथ वेलालगे अपने पिता सुरंगा के निधन के कारण यहां चल रहे एशिया कप क्रिकेट टूनामेंट के बीच से सदस्य लौट गए हैं। उनके पिता का निधन गुरुवार को हुआ। उसी दिन यह ऑलराउंडर यहां अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप बी लीग मैच खेल रहा था।

वापसी को लेकर कोई खबर नहीं

वेलालगे को अपने पिता के निधन की खबर मैच के बाद ही पता चली और वह सबसे पहले उपलब्ध उड़ान से कोलंबो के लिए रवाना हो गए। यह स्पष्ट नहीं है कि यह 22 वर्षीय खिलाड़ी टूनामेंट में वापसी करेगा या नहीं। श्रीलंका सुपर 4 में अपना पहला मैच शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद उसका सामना 23 सितंबर को पाकिस्तान से और 26 सितंबर को भारत से होगा।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रीलंका के कोच और पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सनथ जयसूर्या वेलालगे के पास आते हैं, उनके कंधे पर हाथ रखकर धीरे-धीरे उन्हें सांत्वना देते हैं और पिता के निधन की सूचना देते हैं। उस दौरान दुनिथ भावुक नजर आए। दुनिथ के पिता सुरंगा वेलालगे भी क्रिकेटर रहे थे। उन्होंने प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज की कप्तानी की थी। हालांकि उन्हें कभी श्रीलंका की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला।

मलिंगा और नबी ने दुख जताया

श्रीलंका के पूर्व कप्तान लसिथ मलिंगा ने एक्स पर लिखा, 'दुनीथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे के निधन से बहुत दुखी हूं। परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। दुनीथ हिम्मत रखो। इस मुश्किल समय में पूरा देश आपके और आपके परिवार के साथ खड़ा है।' वहीं, अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने भी संवेदना व्यक्त की और लिखा, 'दुनिथ वेलालागे को उनके पिता के निधन पर हार्दिक संवेदनाएं। मजबूत बने रहो भाई।'

श्रीलंका की छह विकेट से जीत

बाएं हाथ के स्पिनर वेलालगे ने अफगानिस्तान के खिलाफ चार ओवर गेंदबाजी की और 49 रन देकर इब्राहिम जादरान का विकेट लिया। यह उनके करियर का पांचवां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था। मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया। विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने 52 गेंदों पर नाबाद 74 रनों की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई।

टॉस से चार मिनट पहले पायक्रॉफ्ट को मिला बीसीसआई का संदेश! हैंडशेक विवाद में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट के आचरण को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के बीच चला विवाद अब लगभग खत्म होने की ओर है। पीसीबी ने आईसीसी को कई बार पत्र लिखकर पायक्रॉफ्ट को एशिया कप के मैचों से हटाने की मांग की थी। हालांकि, आईसीसी ने साफ कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह के नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। इसी बीच एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुबई में खेले गए ग्रुप ए मैच में टॉस से पहले क्या हुआ था।

टॉस से ठीक पहले पायक्रॉफ्ट को मिली जानकारी

भारत-पाकिस्तान मैच के हैंडशेक विवाद पर नई जानकारी सामने आई है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को 'नो हैंडशेक' प्रोटोकॉल की जानकारी टॉस से केवल चार मिनट पहले ही दी गई थी। एशियन क्रिकेट काउंसिल के वेन्यू मैनेजर ने पाइक्रॉफ्ट को मैदान पर जाने से ठीक पहले यह संदेश दिया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा टॉस के बाद हाथ नहीं मिलाएंगे, जो बीसीसीआई से आया था और भारतीय सरकार की मंजूरी से भेजा गया था।

भारत से हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से शिकायत की कि पायक्रॉफ्ट ने कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया है और उन्हें तुरंत मैच रेफरी की जिम्मेदारी से हटाया जाए। पीसीबी ने यहां तक धमकी दे दी थी कि अगर पायक्रॉफ्ट को नहीं हटाया गया तो वे यूएई के खिलाफ होने वाला मैच नहीं खेलेंगे। हालांकि, क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था। आईसीसी के जवाब से नाखुश पाकिस्तान ने फिर ड्रामा किया और यूएई से उनका मैच करीब एक घंटे की देरी से शुरू हुआ।

पीसीबी ने दावा किया कि पायक्रॉफ्ट ने पाकिस्तानी मैनेजर और कप्तान से माफी मांगी। हालांकि, बाद में यह साफ हो गया कि पायक्रॉफ्ट ने सिर्फ 'गलतफहमी पर अफसोस' जताया था, न कि किसी भी नियम के उल्लंघन को स्वीकार किया। आईसीसी ने भी पीसीबी को स्पष्ट कर दिया कि पायक्रॉफ्ट की ओर से किसी तरह का प्रोटोकॉल ब्रेक नहीं हुआ है। अगर उनके पास समय होता तो वह आईसीसी को जानकारी जरूर देते।

पायक्रॉफ्ट ने हालात के मुताबिक फैसला लिया

पायक्रॉफ्ट ने तुरंत यह संदेश पाकिस्तान कप्तान सलमान को दे दिया ताकि उन्हें मैदान पर उन्हें कोई असहज स्थिति का सामना न करना पड़े। पायक्रॉफ्ट के पास आईसीसी को इस बारे में सूचित करने का समय नहीं था, इसलिए उन्होंने सीधे पाकिस्तानी कप्तान सलमान को जानकारी देने का फैसला किया, ताकि उन्हें मैदान पर शर्मिंदगी न उठानी पड़े। इससे साफ होता है कि पायक्रॉफ्ट ने उल्टा पाकिस्तान को ही इस विवाद से बचाने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले पर पीसीबी ने बाद में आईसीसी से शिकायत की थी, लेकिन क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने यह कहते हुए पीसीबी की मांग ठुकरा दी कि पायक्रॉफ्ट ने हालात को देखते हुए सही फैसला लिया था।

पहलवान अंतिम पंघाल ने विश्व चैंपियनशिप में जीता कांस्य, स्वीडन की प्रतिद्वंद्वी को हराया

नई दिल्ली। भारत की पहलवान अंतिम पंघाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया। अंतिम ने 53 किग्रा भार वर्ग में स्वीडन की अंडर-23 विश्व चैंपियन पहलवान एमा जोना डेनिसे माल्मग्रीन को 9-1 से हराकर कांस्य अपने नाम किया। पंघाल के इस प्रदर्शन ने यह तय किया कि भारतीय दल इस टूनामेंट से खाली हाथ नहीं लौटेगा।

पहले दिन से संघर्ष कर रहे थे भारतीय पहलवान

टूनामेंट में पहले दिन से भारतीय पहलवान संघर्ष करते आ रहे थे, लेकिन अंतिम ने कांस्य पदक जीतकर यह सुनिश्चित किया कि भारत खिलाड़ी इस प्रतिष्ठित टूनामेंट से खाली हाथ नहीं लौटें। 21 वर्षीय पंघाल ने 2023 सत्र में भी कांस्य पदक जीता था, लेकिन 2024 ओलंपिक खेलों के बाद जहां वह पहले दौर में बाहर हो गई थीं, वह लगातार प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रही थीं और दबाव में नजर आ रही थीं। माल्मग्रीन एक बहुत ही आक्रामक पहलवान हैं लेकिन अंतिम ने अपना डिफेंस मजबूत रखा और स्वीडन की पहलवान को कभी भी लय हासिल नहीं करने दी। मात्र 21 वर्ष की उम्र में अंतिम ने सीनियर विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य, एशियाई खेलों में एक कांस्य, एशियाई चैंपियनशिप में एक रजत और एक कांस्य पदक के अलावा ग्रां प्री स्तर की प्रतियोगिताओं में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। अपने शानदार करियर में केवल विनेश फोगाट ने ही विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीते हैं जबकि अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों में अलका तोमर, गीता फोगाट, बबीता फोगाट, पूजा ढांडा, सरिता मोर और अंशु मलिक के नाम एक-एक पदक है।

मनीषा भानवाला रेपेचेज में बुल्गारिया की बिलयाना डुडोवा से 0-9 से हारकर कांस्य से चूक गईं। भारत के ग्रीको रोमन पहलवानों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब प्रदर्शन जारी रहा और गुरुवार को चार पहलवानों में से कोई भी एक भी मुकाबला नहीं जीत सका। जीतना तो दूर की बात भारतीय पहलवान अंक जुटाने के लिए भी जूझते दिखे। अनिल मोर 55 किलोवर्ग में 13 सेकंड के भीतर ही हार गए। अजरबैजान के दुनिया के नंबर एक पहलवान एल्दानिज अजीजली के खिलाफ उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा।

उच्चतम न्यायालय ने एआईएफएफ के मसौदा संविधान को मंजूरी दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ शुक्रवार को मंजूरी दे दी और फुटबॉल संस्था को इसे चार सप्ताह के भीतर आम सभा में अपनाने का निर्देश दिया। यह मसौदा पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव ने तैयार किया है।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अध्यक्ष कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की वर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्यों के चुनाव को मान्यता दी और कहा कि नए सिरे से चुनाव कराने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि वर्तमान पदाधिकारियों का केवल एक वर्ष का कार्यकाल बचा है।

न्यायालय ने 30 अप्रैल को न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन सहित कई वरिष्ठ वकीलों की कुछ आपत्तियों और सुझावों को सुना।

न्यायालय ने कई दिनों तक विभिन्न राज्य फुटबॉल संघों और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के प्रारूप पर उठाई गई आपत्तियों पर सुनवाई की। शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के प्रारूप में कुछ आमूलचूल परिवर्तन का प्रस्ताव था। इनमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने का प्रावधान था, बशर्ते कि वह अधिकतम दो बार चार-चार वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सके। हालांकि इसमें कहा गया है कि खेल संस्था के पदाधिकारी के रूप में आठ वर्ष तक रहने के बाद चार वर्ष तक कोई पद नहीं संभालने के ह्यकूलिंग ऑफ पीरियडह्ल नियम का पालन करना होगा, लेकिन मसौदे में कहा गया है कि कोई व्यक्ति 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद खेल संस्था का सदस्य नहीं रह सकता।

मसौदा संविधान के अनुसार एआईएफएफ की कार्यकारी समिति में 14 सदस्य होंगे, जिन पर आयु और कार्यकाल का नियम लागू होगा।

'छोटा भाई मानता था, पर..', करुण नायर से इस तरह टूटी थी उथप्पा की दोस्ती

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने करुण नायर के साथ अपने रिश्ते बिगड़ने की असली वजह का खुलासा किया है। उथप्पा ने कहा कि कर्नाटक टीम के एक साथी खिलाड़ी ने उनका एक इंटरव्यू करुण नायर के सामने तोड़-मरोड़कर पेश किया, जिससे दोनों के बीच दूरी आ गई।

टेस्ट टीम में जगह न मिलने से थे निराश

उथप्पा ने 'फर्स्ट अंपायर' पॉडकास्ट पर बातचीत में बताया कि उस समय वे भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद चयन नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, 'उस समय मैं टेस्ट टीम में आने की कोशिश कर रहा था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद मुझे मौका नहीं मिल रहा था। शायद मेरी निराशा उस इंटरव्यू में बाहर आ गई। मैंने कहा था कि टेस्ट कैप्स बहुत आसानी से दे दी जा रही हैं, लोगों को उन्हें अर्जित करना चाहिए, यूं ही नहीं मिलनी चाहिए।'

थप्पा ने आगे कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से करुण नायर तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम के किसी खिलाड़ी ने इंटरव्यू का वह हिस्सा लेकर करुण नायर को कह दिया कि मैंने यह उनके बारे में कहा है। करुण, जो मेरे लिए छोटे भाई जैसे थे, उन्होंने मुझसे पूछने की बजाय उसकी बात पर विश्वास कर लिया। चूंकि वे उस समय टेस्ट कैप के करीब थे, उन्होंने मुझसे दूरी बना ली।' उथप्पा ने बताया कि इंटरव्यू मुंबई में छपा था और वहां की मीडिया ने भी इसे इस तरह पेश किया जैसे यह करुण नायर पर सीधा निशाना था। इससे टीम में अंदरूनी कलह शुरू हो गई।

उथप्पा ने कहा कि इसके बाद उन्हें टीम में ऐसे पेश किया जाने लगा जैसे वे टीम को तोड़ने की कोशिश कर रहे हों। उन्होंने बताया, 'मैंने टीम से कहा था कि अगर किसी को लगता है कि मैं टीम को तोड़ रहा हूं तो सामने आकर कह दे, मैं तुरंत टीम छोड़ दूंगा। किसी ने हाथ नहीं उठाया, लेकिन मुझे समझ आ गया कि यह एक संगठित हमला है क्योंकि मैं खिलाड़ियों की आवाज बन चुका था।'

प्रदर्शन पर भी पड़ा असर

उथप्पा ने बताया कि इस घटना के बाद उन्होंने पूरी कोशिश की, लेकिन वह भावनात्मक रूप से टूट चुके थे। उन्होंने बताया, 'उसके बाद मैंने दिल से सब कुछ करने की कोशिश की, लेकिन वह प्रदर्शन नहीं आ सका। प्रदर्शन में गिरावट आई, क्योंकि मेरा भावनात्मक रूप से मैं हिल गया था।'

कर्नाटक छोड़कर सौराष्ट्र और केरल के लिए खेले

उथप्पा ने अपने करियर में 142 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिनमें से 99 कर्नाटक के लिए थे। 2017 में उन्होंने कर्नाटक टीम छोड़ दी और बाद में सौराष्ट्र और केरल के लिए खेला। 2016 के नवंबर में ही करुण ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया था। हालांकि, 2017 के मार्च के बाद वह आठ साल तक भारतीय टीम से दूर रहे। 2025 में उनकी फिर से टेस्ट टीम में वापसी हुई।

'हाथ मिलाने पर नहीं, क्रिकेट पर ध्यान दें', हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल देव, पाकिस्तान को दी नसीहत

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला

यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है। पाकिस्तान ने अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। उन्हें अपने खेल पर काम करना चाहिए। यह व्यक्तिगत पसंद है कि कोई हाथ मिलाना चाहता है या गले लगाना।'

भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, 'भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूनामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।'

भारत ने एशिया कप में अब तक खेले गए दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। टीम ने पहले यूएई को नौ विकेट से हराया और फिर पाकिस्तान को सात विकेट से मात दी। दोनों ही मैचों में भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की है। भारत अब अपने ग्रुप का अंतिम मुकाबला शुक्रवार को ओमान के खिलाफ दुबई में खेलेगा।

पीठ की समस्या से जूझ रहे थे नीरज चोपड़ा, पदक से चूके

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा पिछले दो हफ्तों से पीठ की समस्या से जूझ रहे हैं और शायद इसका असर गुरुवार को टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में उनके प्रदर्शन पर पड़ा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई को बताया कि नीरज पीठ की समस्या से जूझ रहे हैं और जापान की राजधानी में अपनी प्रतियोगिता के बाद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने भी इस बात को स्वीकार किया।

पीठ की समस्या से जूझ रहे थे नीरज

वर्ष 2023 में पिछली प्रतियोगिता में जीते अपने स्वर्ण पदक का बचाव कर रहे नीरज फाइनल में बेहद खराब प्रदर्शन करते हुए निराशाजनक आठवें स्थान पर रहे जबकि उनके हमवतन सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा, 'हां, यह सच है कि चोपड़ा पिछले कुछ हफ्तों से पीठ की समस्या से परेशान हैं। उन्होंने हमें इस बारे में सूचित किया था। इसने (पीठ की समस्या ने) उनके प्रदर्शन को जरूर प्रभावित किया होगा लेकिन उन्हें अपने प्रदर्शन को लेकर चिंतित नहीं होना चाहिए। खेल में हार-जीत तो होती ही रहती है। इसके अलावा भाला फेंक एक ऐसा खेल है जिसमें किसी दिन हो सकता है आपका प्रदर्शन अच्छा नहीं हो और किसी और दिन बिल्कुल भी अच्छा नहीं हो।'

आठवें स्थान पर रहे

एएफआई अधिकारी के अनुसार नीरज ने विश्व चैंपियनशिप से पहले चेक गणराज्य में प्रशिक्षण के दौरान उबरी पीठ की समस्या के बारे में महासंघ को सूचित किया था। उनके वर्तमान कोच और पूर्व महान खिलाड़ी जान जेलेज्नी चेक गणराज्य के ही हैं। फाइनल में कोई भी खिलाड़ी 90 मीटर के आंकड़े को नहीं छू पाया। नीरज पांचवें दौर के बाद 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ बाहर हो गए जिससे वह कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे।

'आज का दिन अलग था...'

सचिन यादव पहले प्रयास में 86.27 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। अधिकारी ने कहा कि यादव के प्रदर्शन से पता चलता है कि भारतीय भाला फेंक में वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने की गहराई है। आठवें स्थान पर रहने के बाद नीरज ने कहा कि यह एक अलग दिन था जब वह स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पा रहे थे। नीरज ने 'एनएनआईएस' को बताया, 'ऐसा लंबे समय के बाद हुआ। आमतौर पर मैं स्थिति को नियंत्रित करता था लेकिन आज का दिन अलग था। मैं इस परिणाम को स्वीकार करूंगा और अगले सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा। लेकिन यहां आने से पहले चेक गणराज्य में प्रशिक्षण के दौरान मुझे पीठ में तकलीफ हो गई थी और इस वजह से मैंने पिछले दो हफ्तों से ट्रेनिंग नहीं की। इसके लिए रिहैब चल रहा है। मेरी टीम यह जानती है और मैंने एएफआई को भी सूचित कर दिया है। शुरूआत में हमें यह भी नहीं पता था कि मैं प्रतिस्पर्धा कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन हमने फैसला किया कि मैं प्रतिस्पर्धा करूंगा। मैं स्वस्थ महसूस नहीं कर रहा था। अधिक प्रशिक्षण नहीं ले रहा था।'

नीरज ने पीठ की समस्या कैसे उत्पन्न हुई इस विषय में बात की। उन्होंने कहा, 'यह घटना चार सितंबर को हुई। मैं प्रशिक्षण के दौरान गोला थ्रो कर रहा था। मैं बैक थ्रो और फ्रंट थ्रो करता हूं। जब मैं फ्रंट थ्रो करने के लिए नीचे झुका तो मेरे बाईं ओर ब्लॉकिंग साइड में अचानक झटका लगा। वहां खिंचाव आ गया और मैं चल भी नहीं पा रहा था। हमने प्राग में एमआरआई कराया और डिस्क में कुछ समस्या थी। छह सितंबर को यहां पहुंचने के बाद से मैं रोज एक मशीन की मदद से इलाज करवा रहा हूं। हमने एक (परीक्षण) सत्र किया और प्रतिस्पर्धा करने का फैसला किया।'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दे गए गाजियाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं को संकल्प का मूल मंत्र

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में दीनदयाल उपाध्याय सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने यहां विकसित भारत विकसित उत्तर प्रदेश के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को सफलता के लिए संकल्प का मूल मंत्र दिया इस अवसर पर सभागार में भाजपा के पदाधिकारी का कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधि ने करा दिया जनप्रतिनिधि को ही दो घंटे तक इंतजार

वैसे तो कहानी पूरे भगवागढ़ में ही तकरार वाली चल रही है। अब जनप्रतिनिधि जनता को आंख दिखा रहे हैं और कार्यकर्ता को बाहर इंतजार करा रहे हैं। लेकिन किस्सा बीमार रिश्तेदार और दो घंटे इंतजार का गूंज रहा है। वैसे तो सभी जनप्रतिनिधि खुद ही फोन मिलाते हैं लेकिन जिनका जिक्र हो रहा है उनके पीए फोन मिलाते हैं। पीए ने फोन मिलाया और छोटे जनप्रतिनिधि को बताया कि बड़े जनप्रतिनिधि तुम्हें तलब कर रहे हैं। छोटे जनप्रतिनिधि ने अपनी मजबूरी बताई और जनप्रतिनिधि के आवास से अस्पताल की दूरी बताई। बताया कि रिश्तेदार बीमार है आने में कम से कम 20 मिनट तो लंगेगे। कोलम्बिया एशिया से दूरी का तो पता नहीं लेकिन जैसे ही मौहल्ला जनप्रतिनिधि फ्री हुए तो वो अपने रिश्तेदार को लेकर बड़े जनप्रतिनिधि के घर की तरफ रवाना हुए। रवानगी में उन्होंने दीवानगी में बड़े जनप्रतिनिधि की शान में बहुत कुछ कहा और अपने सम्मान की भी बात बताई। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि इंतजार वाले सीन से क्या हो गया है। वो तो जनप्रतिनिधि-जनप्रतिनिधि एकता का नारा लेकर चल रहे थे। लेकिन वहां बड़े और छोटे का मामला आ गया। जनप्रतिनिधि के साथ रिश्तेदार और बड़े जनप्रतिनिधि ने छोटे जनप्रतिनिधि को पूरे सवा दो घंटे इंतजार कराया। किस्सा फूल वालों में गूंज रहा है।

मित्तल जी गिर मित्तल जी ने उठाया और मित्तल जी ने अस्पताल पहुंचाया

किस्सा उस रामलीला का है जहां मित्तल ब्रदर्स की तूती बोलती है। ताकत का मुलाहिजा उन्होंने दो दिन पहले ही कराया है। डिफेंस वालो के ड्राईंग रूम से उनका फोटो बाहर आयी है। राम वाली लीला में एक मित्तल ऐसे भी हैं जो एक वोट से जीते हैं और उन्हें मंत्री बनाया गया। अब मंत्री जी बता सकते हैं कि वो मंच पर क्या देख रहे थे लेकिन उन्होंने नीचे नहीं दिखा और वो मंच से नीचे आ गिरे। चौपले वाले मित्तल जी जैसे ही गिरे तो दिल्ली गेट वाले मित्तल जी ने उन्हें तत्काल उठाया। फिर आईस्क्रीम वाले मित्तल जी उन्हें लेकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। यहां उन्हें दिखाया। उसके बाद दिल्ली गेट वाले मित्तल जी ने उनकी कुशलक्षेम पूछी और अगले दिन मित्तल जी को यशोदा अस्पताल भी दिखाया गया। कहानी में हर मोड पर मित्तल हैं लेकिन ये पता नहीं चल रहा कि जब भगवान गणेश वाली पूजा के दिन चौपले वाले मित्तल जी मंच से डाउन-टू-अर्थ हुए तो कमेटी के अग्रवाल, गोयल, बंसल कहां थे। हो सकता है सब राम के काम में बिजी रहे हों और मित्तल जी का इतना बड़ा मामला ना हो कि काम रोक कर उन्हें देखा जाता। बहरहाल अब मित्तल जी ठीक हैं और मंच से गिरने के बाद भी वो संभल गये और संभल- संभल कर चल रहे हैं। लेकिन रामलीला में उनके कदम रोजाना शाम को टहल रहे हैं।

रामलीला को लेकर भिड़ रहे हैं भाजपाई से ही भाजपाई

राम का काम है और इस काम को करने के लिए राम वालो में ही कोहराम मचा है। कहीं बुलेट चलने की बात सुनाई दे रही है तो कहीं एक दूसरे को भुगत लेने की धमकी है। कहीं बिरादरी समीकरण है और ये सीन एक रामलीला में ना होकर सभी रामलीलाओं में कॉमन है। कहीं अंदर ही अंदर आग सुलग रही है तो कहीं लहजो में शोले हैं। कहीं जुबान पर तीखे शब्द आ गये हैं। इन सबके बीच में डिप्टी रजिस्ट्रार नामक व्यक्ति की जिम्मेदारी बढ़ गई है। वो राम के काम में सबसे बड़े पंच बनकर सामने आये हैं। वो तय कर रहे हैं कि राम की लीला कौन-कौन कहां-कहां करायेगा। राम की लीला में सबसे बड़ा ट्विस्ट ये है कि आप किसी भी रामलीला को उठाकर देख लीजिये, कहानी में भगवा टच है। लाईन पार वाले लड़ रहे हैं तो वहां भाजपाई। संजय नगर में लड़ाई हो रही है तो यहां भाजपाई। इंटरनल लड़ाई की बात करें तो दोनों प्रमुख रामलीलाओं में भाजपाई। कमाल ये है कि जो राम को लाये हैं वो ही सबसे ज्यादा कोहराम मचाये हैं। आखिर इन राम की लीलाओं में ऐसा क्या है कि भाजपा के पार्षद धनुष पर टंकार दे रहे हैं। यूथ मोर्चा के नेता जी दहाड़ रहे हैं। पूर्व पार्षद ताल ठोक रहे हैं। कुछ तो कहानी में ट्विस्ट है प्रभु श्रीराम।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू का सियासत का अपना एक अलग अंदाज है। सामने वाले का सम्मान करते हैं और राजनीति के सिद्धांतों से खुद को जोड़कर चलते हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ इस पल को उन्होंने फेसबुक पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

श्री सुल्लामल रामलीला में हुआ ताड़का वध का भावपूर्ण मंचन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। घंटाघर स्थित श्री सुल्लामल रामलीला में शुक्रवार को राम जन्म और श्रवण कुमार की लीला के बाद मंचन आगे बढ़ा। हवन यज्ञ में बाधा उत्पन्न करने पर ऋषि विश्वामित्र ने राजा दशरथ से प्रभु राम और लक्ष्मण को मांगा। दोनों भाइयों ने असुरों का वध कर धर्म की रक्षा की। इसके बाद मंच पर ताड़का वध की लीला का जीवंत और भावपूर्ण मंचन किया गया। भीषण युद्ध के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। ताड़का के अंत के साथ ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा।

लीला स्थल पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष अजय बंसल, उस्ताद अशोक गोयल, महामंत्री नरेश अग्रवाल प्रधान, सुधीर गोयल (मोनू), दिनेश शर्मा (बब्बे), संजीव मित्तल, अनिल चौधरी, प्रदीप मित्तल, रविन्द्र मित्तल, वीरेंद्र कुमार (वीरों), प्रेम चंद गुप्ता, अजय गुप्ता, विनय सिंघल, सुबोध गुप्ता, राकेश स्वामी, सुभाष बजरंगी, विजय गोयल, यशवर्द्धन गुप्ता, जयवीर शर्मा, राधवेंद्र शर्मा, मोहित मित्तल, अतुल गुप्ता, विभोर गोयल व पार्षद नीरज गोयल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एथलीट प्रतियोगिता में दुर्गावती हेमराज टाह के खिलाड़ियों जीते कई मेडल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। विद्या भारती द्वारा आयोजित 37वीं प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन हो गया। जहांगीराबाद बुलंदशहर स्थित प्रहलाद स्वरूप सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित हुई जिसमें दुर्गावती हेमराज का सरस्वती विद्या मंदिर के 7 छात्र और 3 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें अंडर-17 में एंजेल चौहान ने भाला फेंक में ब्रॉन्ज मेडल, रेनू ने क्रॉस कंट्री में गोल्ड मेडल हासिल किया। छात्र नमन ने अंडर-14 में चक्का फेंक में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। अंडर-17 में छात्र ऋषभ गिरी ने 400 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल, 110 मीटर दौड़ सिल्वर मेडल और 200 मीटर दौड में. ब्रॉन्ज मेडल जीता। अंडर-19 में जिशान ने 1500 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 3000 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 6 किमी.क्रॉस कंट्री दौड़ गोल्ड मेडल जीतकर एकल चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया।

आयुष खारी ने 200 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 400 मीटर बाधा दौड़ में गोल्ड मेडल जीतकर एकल चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया। मनु शर्मा ने 800 मीटर दौड में ब्रॉन्ज मेडल, 6 किमी क्रॉस कंट्री रेल में गोल्ड मेडल जीता।

केशव त्यागी लंबी कूद सिल्वर मेडल जीता। जिशान, आयुष खारी, मनु शर्मा, ऋषभ गिरी, बहिन रेनू आने वाले 23 से 25 सितंबर को क्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता जो एटा में आयोजित होगी उसमें भाग लेंगे। प्रधानाचार्य विपिन राठी ने खिलाड़ियों की इस अपार सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में हुआ मीडिया फेस्ट 'अभिव्यक्ति-2025'

गाजियाबाद, करंट क्राइम: आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग द्वारा मीडिया फेस्ट 'अभिव्यक्ति-2025' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईएमएस गाजियाबाद ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, संस्थान की निदेशक प्रो.(डॉ.) जसकिरण कौर, और विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार निगम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर न्यूज एंकर्स को बुलाया गया।

इस फेस्ट में दिल्ली-एनसीआर के 57 से ज्यादा कॉलेजों और 12 स्कूलों से 600 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। इनमें आफ्ट, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, जिम्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी, हंसराज कॉलेज, रामजस कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट एंड कॉमर्स, गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, लीलावती इंटरनेशनल स्कूल और इंग्राहाम स्कूल जैसे संस्थान शामिल थे। कार्यक्रम में पांच तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईः रील मेकिंग, डिबेट कॉम्पिटिशन, मीडिया रंगोली, नुक्कड़ नाटक, आरजे हंट।

इन प्रतियोगिताओं को जज करने के लिए पूर्व छात्रों को बुलाया गया, जिनमें करन यादव (रील मेकिंग), सजल कुलश्रेष्ठ और मनीष झा (डिबेट कॉम्पिटिशन), अनीता संतोष (मीडिया रंगोली), अबसर उल हक (नुक्कड़ नाटक) और आशा राजपूत (आरजे हंट) शामिल थे।

मुख्य अतिथियों ने छात्रों को एक सफल पत्रकार के गुण और समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्वों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए कड़ी मेहनत बहुत जरूरी है और मीडिया में हमेशा तैयार रहना पड़ता है। उन्होंने 'न्यूज' का अर्थ भी समझाया और इस तरह के कार्यक्रमों को छात्रों के विकास के लिए सहायक बताया।

कार्यक्रम के अंत में, विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. संध्या शर्मा के धन्यवाद भाषण के साथ हुआ। इस दौरान डॉ. गिरीश कुमार सिंह, डॉ. खुर्शीद आलम, अनुराग सिंह, पूनम कुमारी और नारायण भटेजा भी मौजूद थे।

फ्रांस :40 साल बाद पेरिस आतंकी हमले का आरोपी गिरफ्तार राष्ट्रपति मैक्रों बोले- न्याय की दिशा में बड़ा कदम

इस मशीनगन और ग्रेनेड हमले में छह लोगों की मौत हुई थी और 22 लोग घायल हुए थे। इसे अबू निदाल संगठन से जोड़ा गया था। यह हमला उस समय फ्रांस को हिला देने वाला और आधुनिक इतिहास की सबसे कुख्यात यहूदी-विरोधी घटनाओं में से एक माना गया

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 1982 के पेरिस आतंकी हमले के एक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी का स्वागत किया है। यह गिरफ्तारी इस हफ्ते कब्जे वाले वेस्ट बैंक में हुई। राष्ट्रपति मैक्रों ने इसे फलस्तीन प्राधिकरण के साथ बेहतरीन सहयोग का नतीजा बताया और कहा कि यह न्याय और सच की दिशा में एक अहम कदम है।

नौ अगस्त 1982 को पेरिस के यहूदी क्वार्टर में जो गोल्डेनबर्ग रेस्त्रां पर हथियारबंद आतंकियों ने हमला किया था। इस मशीनगन और ग्रेनेड हमले में छह लोगों की मौत हुई थी और 22 लोग घायल हुए थे। इसे अबू निदाल संगठन से जोड़ा गया था। यह हमला उस समय फ्रांस को हिला देने वाला और आधुनिक इतिहास की सबसे कुख्यात यहूदी-विरोधी घटनाओं में से एक माना गया।

गिरफ्तार किया गया आरोपी महमूद खदर अबेद अदरा है, जिसे हिचाम हार्ब के नाम से भी जाना जाता है। वह 70 साल का है और उस पर हमलावरों की योजना बनाने और उन्हें नेतृत्व देने का आरोप है। फ्रांसीसी राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी अभियोजक कार्यालय के मुताबिक, इंटरपोल के जरिये सूचना मिली कि फलस्तीन प्राधिकरण ने हार्ब को 2015 में जारी एक अंतरराष्ट्रीय वारंट के आधार पर पकड़ा है।

चार दशक बाद मिली सफलता हार्ब को 31 जुलाई को फ्रांसीसी जजों ने हत्या और हत्या की कोशिश के आरोपों में औपचारिक रूप से अभियोगित किया था। इस मामले में पांच अन्य आरोपियों को भी मुकदमे में भेजा गया था, लेकिन हार्ब पहला आरोपी है जिसे गिरफ्तार किया गया है। अन्य संदिग्ध अभी तक विदेशों में छिपे हुए हैं। इनमें जॉर्डन, नॉर्वे और फलस्तीनी क्षेत्रों में छिपे लोगों का नाम आता है। मैक्रों का बयान और न्याय की उम्मीद राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ह्लफ्रांस भूलता नहीं है। वह हमेशा दंड देता है और न्याय सुनिश्चित करता है। उन्होंने इस गिरफ्तारी को न्याय की दिशा में एक अहम उपलब्धि बताया और उम्मीद जताई कि जल्द ही आरोपी का प्रत्यर्पण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि यहूदी-विरोधी हिंसा से जुड़े इस केस ने फ्रांस को 40 साल से परेशान किया है। यहूदी समुदाय की मांग यूरोप के सबसे बड़े यहूदी समुदाय वाले फ्रांस में इस केस को लेकर लगातार न्याय की मांग उठती रही है। समुदाय के नेताओं ने सरकार से कई बार अपील की कि आरोपियों को सजा दिलाई जाए।

नेपाल : जेन-जी आंदोलन के समय सरकार ने गोली चलाने को नहीं कहा

काठमांडू । नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस बात से इनकार किया है कि उनकी सरकार ने 8 सितंबर को आंदोलन के पहले दिन जेन-जी विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आदेश दिया था, जिसमें तकरीबन 19 लोग मारे गए थे। बता दें कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ने इसके बजाय घुसपैठियों को इस त्रासदी के लिए ज़िम्मेदार ठहराया।

पूर्व पीएम ओली ने संदेश जारी कर किया दावा पूर्व पीएम ओली ने देश के संविधान दिवस पर जारी एक संदेश में दावा किया, 'सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश नहीं दिया था।' इस दौरान उन्होंने ये भी दावा किया, 'प्रदर्शनकारियों पर स्वचालित बंदूकों से गोलियां चलाई गईं, जो पुलिसकर्मियों के पास नहीं थीं, और इसकी जांच होनी चाहिए।' शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों में घुसपैठ का दावा करते हुए, सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ने कहा, 'घुसपैठ करने वाले षड्यंत्रकारियों ने आंदोलन को हिंसक बना दिया, और इस तरह हमारे युवा मारे गए।' जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त करते हुए, ओली ने घटना की जांच की मांग की।

सभी पीढ़ियों को एकजुट होना होगा- ओली उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे पद से इस्तीफा देने के बाद सिंह दरबार सचिवालय और सुप्रीम कोर्ट में आग लगा दी गई, नेपाल का नक्शा जला दिया गया और कई महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इन घटनाओं के पीछे की साजिशों के बारे में विस्तार से नहीं बताना चाहता, समय खुद ही सब कुछ कह देगा।' उन्होंने संविधान लागू करते समय देश के सामने आई चुनौतियों को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'संविधान सीमा पर नाकेबंदी और राष्ट्रीय संप्रभुता के खिलाफ चुनौतियों के बीच लागू किया गया था।।

संयुक्त राष्ट्र के गाजा युद्धविराम प्रस्ताव पर अमेरिका ने एक बार फिर किया वीटो

संयुक्त राष्ट्र। इस्राइल और हमास के बीच बीते 23 महीनों से चल रहे भीषण संघर्ष में गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर चल रही कोशिशों के बीच अमेरिका ने इससे फिर से अपना मुंह मोड़ लिया है। इसके तहत अमेरिका ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया जिसमें गाजा में तुरंत और स्थायी युद्धविराम के साथ-साथ बंधकों की रिहाई की मांग की गई थी। यह प्रस्ताव 15 सदस्यीय परिषद के 14 सदस्यों ने समर्थन में पास किया था, लेकिन अमेरिका के वीटो के कारण यह पारित नहीं हो सका।

बता दें कि प्रस्ताव में गाजा की स्थिति को विनाशकारी बताया गया और इस्राइल से वहां 21 लाख फलस्तीनियों के लिए राहत सामग्री पहुंचाने पर लगी पाबंदियों को हटाने की मांग की गई थी। ऐसे में अमेरिका ने यह कहकर प्रस्ताव का विरोध किया कि इसमें हमास की पर्याप्त निंदा नहीं की गई है। प्रस्ताव पर अमेरिका और इस्राइल का रुख सख्त संयुक्त राष्ट्र में वीटो के बाद वैश्विक मंच पर अमेरिका और इस्राइल का रुख सख्त और कड़ा दिखा। खासकर ऐसे समय में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की सालाना बैठक होने वाली है। इस बैठक में कई प्रमुख देश स्वतंत्र फलस्तीनी राज्य को मान्यता देने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर इस्राइल के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत डैनी डैनन ने इस प्रस्ताव को निरर्थक बताया। साथ ही कहा कि यह न तो बंधकों को रिहा कराएगा और न ही क्षेत्र में शांति लाएगा। उन्होंने कहा कि हमास के खिलाफ लड़ाई और अपने नागरिकों की सुरक्षा इस्राइल की प्राथमिकता रहेगी, चाहे सुरक्षा परिषद आतंकवाद के मुद्दे पर अपनी आंखें ही क्यों ना मूंद ले।

अमेरिका में बदल रहे लोगों के विचार

हालांकि इन सबके बीच एक चौंकाने वाला रिपोर्ट सामने आया है। इसके तहत हाल ही में एक सर्वे में सामने आया कि करीब आधे अमेरिकी नागरिकों का मानना है।

रूस के कामचटका में भूकंप से कांपी धरती 7.8 रही तीव्रता, सुनामी की चेतावनी जारी

रूस। रूस के पूर्वी तट पर स्थित कामचटका प्रायद्वीप में बेहद शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.8 मापी गई है। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने इस बारे में जानकारी दी। भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। इससे पहले बीते शनिवार को भी इस इलाके में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। उस दिन कामचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था। एनसीएस के मुताबिक, वह भूकंप सुबह आठ बजकर सात मिनट पर आया। इसका केंद्र जमीन से 60 किलोमीटर गहराई में था। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने क्या कहा अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र रूस के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की में 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था। इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा के हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की है। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। लोगों से सुनामी को लेकर सतर्क रहने और ऊंचे इलाकों में जाने की सलाह दी है।

कामचटका के गवर्नर ने भी इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी किसी बड़े नुकसान या हताहतों की खबर नहीं है, लेकिन बचाव कर्मियों को पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। यह भूकंप उसी क्षेत्र में आया, जहां जुलाई में 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इसके बाद पूरे प्रशांत क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। क्यों घातक है रूस के इस इलाके में आने वाला भूकंप रूस के पूर्वी छोर पर स्थित कामचटका प्रायद्वीप पृथ्वी के सबसे खतरनाक भूगोल वाले इलाकों में गिना जाता है। शनिवार को फिर से यहां 7.4 तीव्रता का भीषण भूकंप दर्ज किया गया। लगभग 1,200 किलोमीटर लंबा यह प्रायद्वीप प्रशांत रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, जहां टेक्टॉनिक प्लेटों

अमेरिकी सेना का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश इलाके में फैली आग, चार सैनिक थे सवार

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के टल्ठ-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे

वॉशिंगटन । अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के टल्ठ-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे। यह अमेरिकी सेना के जॉइंट बेस हेडक्वार्टर के अधीन आता है। यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। मामले में अमेरिकी सेना की ओर से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि क्रैश की वजह क्या थी, यह अभी पता नहीं चला है। हालांकि मामले की जांच चल रही है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभी एक सक्रिय और जारी स्थिति है।

हेलिकॉप्टर क्रैश के चलते इलाके में फैली आग

मीडिया रिपोर्ट की माने तो क्रैश की वजह से इलाके में जंगल में आग लग गई, जो गुरुवार सुबह तक करीब एक एकड़ (लगभग 0.4 हेक्टेयर) क्षेत्र में फैल चुकी थी। वॉशिंगटन के प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीएनआर) ने यह जानकारी दी। आग बुझाने के लिए सेना, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। वहीं मामले में थर्स्टन काउंटी के शेरिफ डेरिक सैंडर्स ने बताया कि हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया गया है, लेकिन इलाके में आग होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सेना और स्थानीय एजेंसियां मिलकर पूरा प्रयास कर रही हैं कि जल्द से जल्द सैनिकों तक पहुंचा जा सके। अमेरिकी सेना ने क्या कहा वहीं मामले में अमेरिकी सेना की प्रवक्ता रूथ कैस्ट्रो ने बताया कि यह एक सर्च मिशन है।

जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के अभिव्यक्ति की आजादी पर लाएंगे विधेयक

वॉशिंगटन । अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर लगाए आरोप डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है।

जिमी किमेल की टिप्पणी पर हुआ विवाद हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और 'मैगा गिरोह' इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा। एबीसी को मिली प्रसारण बंद करने की धमकी फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने किमेल के बयान को गलत और घटिया आचरण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एबीसी ने कार्रवाई नहीं की तो उनका प्रसारण लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। वहीं, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रसारण कंपनियों में शामिल नेक्सस्टार ने भी किमेल की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शो का प्रसारण रोकने का ऐलान कर दिया।

सऊदी संग रक्षा समझौते के बाद पाकिस्तान का बड़बोलापन मंत्री बोले- नाटो जैसी डील के लिए दरवाजे खुले

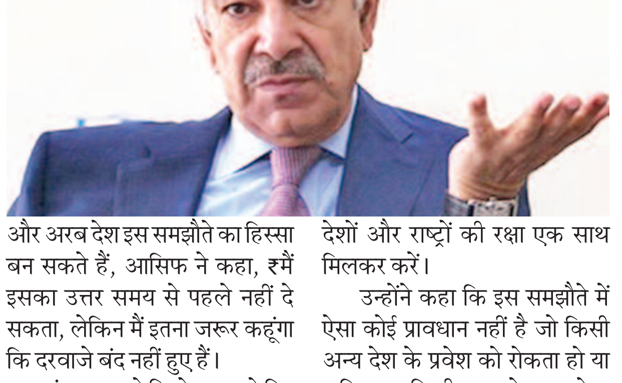

पाकिस्तान । पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच आपसी रक्षा समझौते में अन्य अरब देशों के शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह बात कही है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की बातचीत के लिए दरवाजे बंद नहीं हैं।

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक ₹रणनीतिक पारस्परिक रक्षा₹ समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अनुसार किसी भी देश पर किया गया हमला 'दोनों के विरुद्ध आक्रमण' माना जाएगा। एक संयुक्त बयान के अनुसार, इस समझौते पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तानी नेता की खाड़ी साम्राज्य की एक दिवसीय यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए। यह समझौता कतर में हमास नेतृत्व पर इस्राइल के हमले के कुछ दिनों बाद हुआ है। यह खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है। इस सवाल के जवाब में कि क्या और अरब देश इस समझौते का हिस्सा बन सकते हैं, आसिफ ने कहा, ₹मैं इसका उत्तर समय से पहले नहीं दे सकता, लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि दरवाजे बंद नहीं हुए हैं।

मंगलवार को जियो न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा कि उन्होंने हमेशा नाटो जैसी व्यवस्था की मांग की है। आसिफ ने कहा, ₹मुझे लगता है कि यहां के देशों और लोगों, विशेषकर मुस्लिम आबादी का यह मौलिक अधिकार है कि वे अपने क्षेत्र, देशों और राष्ट्रों की रक्षा एक साथ मिलकर करें।

उन्होंने कहा कि इस समझौते में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो किसी अन्य देश के प्रवेश को रोकता हो या पाकिस्तान किसी अन्य के साथ ऐसा समझौता नहीं कर सकता हो। यह पूछे जाने पर कि क्या पाकिस्तान की परमाणु परिसंपत्तियां भी इस समझौते के तहत उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, आसिफ ने कहा, ₹हमारे पास जो भी है, हमारी क्षमताएं हैं।

तालिबान ने सात महीने बाद छोड़ा ब्रिटिश दंपती

कतर की मध्यस्थता से रिहाई संभव

रिहाई में कतर की अहम भूमिका कतर, जो अमेरिका और तालिबान के बीच हुई शांति वाताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है इस बार भी दंपति की रिहाई में मध्यस्थता की। कतर के एक राजनयिक ने बताया कि शुक्रवार को यह दंपति अफगानिस्तान से रवाना हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि मामला संवेदनशील होने के कारण उनकी पहचान गुप्त रखी जा रही है

दुबई । अफगानिस्तान में तालिबान ने शुक्रवार को एक ब्रिटिश दंपति को रिहा कर दिया, जिन्हें बीते सात महीने से अज्ञात आरोपों में हिरासत में रखा गया था। यह कदम तालिबान के उस व्यापक प्रयास का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके जरिए वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सरकार को मान्यता दिलाने की कोशिश कर रहा है। रिहा किए गए दंपति के नाम पीटर रेनॉल्ड्स और बार्बी रेनॉल्ड्स हैं। यह दंपति पिछले 18 वर्षों से अफगानिस्तान के बामियान प्रांत में रह रहा था और वहां शिक्षा व प्रशिक्षण से जुड़ा संगठन चला रहा था। 2021 में जब तालिबान ने अमेरिका समर्थित अफगान सरकार को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ली थी, तब भी उन्होंने देश छोड़ने के बजाय वहीं रहने का फैसला किया था। रिहाई में कतर की अहम भूमिका कतर, जो अमेरिका और तालिबान के बीच हुई शांति वाताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है इस बार भी दंपति की रिहाई में मध्यस्थता की। कतर के एक राजनयिक ने बताया कि शुक्रवार को यह दंपति अफगानिस्तान से रवाना हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि मामला संवेदनशील होने के कारण उनकी पहचान गुप्त रखी जा रही है। रेनॉल्ड्स दंपति के ब्रिटेन में मौजूद परिवार ने लगातार उनकी रिहाई की मांग की थी। परिवार का आरोप था कि उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में रखा जा रहा है और उन पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया गया है। तालिबान ने इन आरोपों को खारिज किया, लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं किया कि दंपति को किस कारण गिरफ्तार किया गया था। जुलाई में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि दंपति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है और अगर जल्द रिहाई नहीं हुई तो उनकी मौत तक हो सकती है। इस चेतावनी के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया था। तालिबान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव 2021 में सत्ता में आने के बाद से तालिबान पर महिलाओं के अधिकार, मानवाधिकार उल्लंघन और मनमानी गिरफ्तारियों को लेकर लगातार आलोचना होती रही है। पश्चिमी देशों का मानना है कि ऐसे मामले तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने में बड़ी बाधा बनते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रेनॉल्ड्स दंपति की रिहाई तालिबान का एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास हो सकता है, ताकि दुनिया के साथ उसके रिश्ते सुधर सकें।

गाजियाबाद में अचानक मची अफरा-तफरी, आग, केमिकल रिसाव और भूकंप से कांपा जिला!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे गाज़ियाबाद के तीन अलग-अलग हिस्सों में ऐसा मंजर दिखा कि हर कोई सन्न रह गया। कहीं धुएँ के गुबार उठे, कहीं जहरीली गैस का रिसाव हुआ तो कहीं इमारत ढहने की तस्वीर ने लोगों को दहशत में डाल दिया। दमकल की गाड़ियाँ सायरन बजाती दौड़ीं, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आए, बचाव दल मास्क और उपकरणों से लैस होकर मैदान में कूद पड़े। शहर में अचानक इस अफरा-तफरी की वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे—यह सब था आपदा प्रबंधन की मॉक एक्सरसाइज, जिसे उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला प्रशासन गाज़ियाबाद ने मिलकर आयोजित किया।

सदर तहसील: मॉल में आग का खौफनाक नजारा

करंट क्राइम। जीटी रोड स्थित ऑप्युलेंट मॉल में अचानक आग लगने का सायरन बजा। धुआँ फैलते ही नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अग्निशमन सेवा, पुलिस और सिविल डिफेंस ने रेस्क्यू ऑपरेशन का ऐसा प्रदर्शन किया कि लोग दंग रह गए। आम नागरिकों को भी बताया गया कि आग लगने की स्थिति में पहले पाँच मिनट कैसे ज़िंदगी बचाते हैं।

लोनी: भूकंप से हिली जमीन, बच्चे डेस्क के नीचे

करंट क्राइम। लोनी इंटर कॉलेज में अचानक इमारत ढहने की आवाज गूँजी। छात्र डेस्क के नीचे घुसकर "Duck, Cover & Hold" का अभ्यास करने लगे। एनसीसी, स्काउट्स और प्रशासनिक इकाइयों ने मलबे में फंसे लोगों को निकालने का सजीव प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी का संदेश : जिलाधिकारी गाज़ियाबाद ने साफ कहा कि आपदा प्रबंधन सिर्फ़ सरकारी विभागों का काम नहीं है, जनता की भागीदारी भी उतनी ही अहम है। ऐसे अभ्यास हमारी तैयारी की परीक्षा लेते हैं और लोगों को आत्मनिर्भर बनाते हैं। आग, गैस रिसाव और भूकंप जैसी काल्पनिक घटनाओं ने शुक्रवार को गाज़ियाबाद को हिला कर रख दिया। लेकिन राहत की बात ये रही कि यह सब तैयारी का हिस्सा था। इस मॉक ड्रिल ने दिखा दिया कि असली आपदा आने पर गाज़ियाबाद तैयार खड़ा है।

मोदीनगर: शुगर मिल से रिसी जहरीली गैस

करंट क्राइम। मोदी शुगर मिल में अचानक रासायनिक गैस रिसाव की खबर से लोगों के बीच घबराहट फैल गई। तुरंत एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुँचीं। गीले कपड़े और मास्क का प्रयोग कैसे जान बचा सकता है, यह सबको सिखाया गया। प्रभावित इलाके को सुरक्षित घोषित करने का पूरा अभ्यास किया गया।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मंत्री जी के आवास पर देवतुल्यों की बैठक से निकला है संदेश खास? मंत्री जी ने पार्षदों और मंडल अध्यक्षों को दी है ये बात समझा कि चुनाव हैं पास? मंत्री जी ने मंडल अध्यक्षों और पार्षदों को दी है तालमेल बनाकर खेलने की एडवाईज? समझा दिया है कि 2027 की तैयारी पर करो फोकस? अभी मत बनाओ वार्ड से लेकर मंडल तक कोई सियासी कोकस?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब शहर में आ रहे थे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ? तो नदिया पार के कौन से पार्षद करा रहे थे अपने वार्ड में विकास? जब उनसे पूछा गया क्या नहीं जाने का कोई कारण खास? तो निकल कर आई ये बात सामने कि ना उन्हें निमंत्रण मिला और ना ही मिला था अंदर हाल में जाने का पास? पार्षद ने भी तय कर लिया कि इससे अच्छा तो यही है कि मैं अपने वार्ड में कराऊं विकास?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि उन पार्षदों की किस्मत में ही लिखी है तकरार और दरवाजे के बाहर इंतजार? सुना है क्रान्तिकारी पार्षद टोली जब पहुंची साहब के द्वार? साहब ने भी करा दिया उन्हें आधा घंटा इंतजार? इसके बाद पार्षद टोले ने रखी पीआरओ से अपनी बात? कहा हम इंतजार करें या जायें अपने वार्ड? सुना है फिर पीआरओ ने कराई थी इन चारो की मुलाकात? सुना है पार्षदों की जिद से साहब का भी उखड़ गया था मूड बेहिसाब ?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि वार्ड वाली कहानी में अब आने लगी है विकास की रफ्तार में बाधा? कहने वाले ने कहा कि करोड़ के काम की, की थी प्रोमिस और विकास नहीं हुआ उसका आधा? पार्षद ने कहा हमारे वार्ड में करोड़ तो छोड़ो हमारे कोटे के तीस लाख वाले विकास पर भी लग गये हैं ब्रेक? जब हम करते हैं विकास की बात तो वो कर देते हैं हमारे इरादों को एकदम ठंड? अब सीधी सी बात आती है कि अभी नहीं है हमारे पास फंड?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार का कौन सा भगवा पार्षद ऐसा है जिसने तोड़ दिया है वार्ड में विकास वाला रिकार्ड? सुना है इस वार्ड में एक नहीं, दो नहीं, चार नहीं बल्कि हो गये हैं 12 करोड़ से अधिक के काम? दूसरे वार्ड के पार्षद अब लगे हैं इस बात की सर्च करने में? इन वाले चौधरी ने आखिर कौन सा बिठाया है इंतजाम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब मंत्री जी पहुंचे राम लीला वाले मंच पर? तब कौन से व्यापारी नेता ने कर दिया हाउस टैक्स को लेकर उन पर तंज? पूछ लिया पार्षद तो हाउस अरेस्ट थे मगर आप ही रख देते हमारी बात? सुना है फर्नीचर वालों ने फिर पूछा कि क्या आपने नहीं रखी थी अपने शहर की जनता की बात? सुना है मंत्री जी ने पहले तो सोचा और फिर उन्होंने साफ कह दिया कि इस विषय पर नहीं हो पाई किसी भी जनप्रतिनिधि की बात?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब आई थी पार्षदों को रात में ही घर पर घेरने की पुलिसिया योजना? सुना है नदिया पार वाले गोयल जी ने कर दी थी अपने घर पर ना होने की घोषणा? सुना है लिस्ट में पार्षद पति का भी ना हाउस अरेस्ट होने वालों में? लेकिन उन्होंने बता दिया था कि मैं हाउस पर ही नहीं हूं तो मुझे कैसे कर पाओगे हाउस अरेस्ट? उन्होंने पुलिस से कहा था कि आप ना लें कोई टेंशन? क्योंकि मैं हूं इस समय आउट ऑफ स्टेशन?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब महकमें वाले साहब ने पार्षदों को समझाई ये बात? बता दिया अवस्थापना के काम कराने हैं तो गो-टू-मेयर? सुना है पार्षदों की बातें सुनकर साहब हो गये थे एक बार तो इरिटेट? बताने वाले ने बताया कि साहब ने कर दी थी ऑफर अपनी चेयर? समझाते हुए कहा था कि जिम्मेदारी समझोगे तो तुम्हें भी करनी पड़ेगी नियम और कायदों की केयर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि पुलिस की नजर में क्रान्ति वाला वजूद खो चुके हैं कांग्रेस और बसपाई? पुलिस भाजपा पार्षदों को तो घर तक ढूंढने निकली? लेकिन कांग्रेस और बसपा वालों को लेकर नहीं थी उसे कोई टेंशन? विपक्ष से ज्यादा डिमांड में निकले भाजपा के पार्षद? मुख्यमंत्री आ रहे थे और कांग्रेस से लेकर बसपा तक किसी नेता की नहीं थी पुलिस को तलाश? कहने वाले ने कहा कि राजनीति किस मोड पर आ गई? अब ये सोचना होगा आज? पुलिस को बसपा किसी पदाधिकारी से कोई दिक्कत नहीं थी? पुलिस कांग्रेस नेता के घर भी नहीं गई? पुलिस केवल भाजपा पार्षदों को ढूंढ रही थी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने किआखिर हाउस टैक्स की मांग उठाने वाले पार्षदों को पुलिस किस निर्देशन में कर रही थी हाउस अरेस्ट? प्रशासन ने जारी किया था गोयल पार्षद को सभागार वाला पास? कमाल तब हुआ जब पार्षद बैठे थे हाउस अरेस्ट होकर पुलिस के पास? तब भाजपा कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के कार्यक्रम वाला पास लेकर पहुंचा था उनके प्रतिष्ठान? वहां से फोन कर उसने पूछा था ये पास कहां देने हैं? तब पार्षद ने भी हंस कर कह दिया कि अब इसकी जरूरत नहीं है?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

दशहरा पर्व पर रावण दहन के मुख्य अतिथि होंगे सांसद अतुल गर्ग

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सुल्लामल रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित दशहरा पर्व पर इस वर्ष रावण दहन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग होंगे। यह आयोजन आगामी 2 अक्टूबर को किया जाएगा। रामलीला महोत्सव के अन्य दिनों में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल, शहर विधायक संजीव शर्मा, एमएलसी दिनेश गोयल, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी और पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सभी जनप्रतिनिधियों ने समिति का निमंत्रण स्वीकार करते हुए रामलीला महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं और अपनी उपस्थिति का आश्वासन दिया। आमंत्रण हेतु गए प्रतिनिधि मंडल में स्वागत अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, वीरू बाबा खलीफा, ज्ञान प्रकाश गोयल, महामंत्री नरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल (मोनू), वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मित्तल और कार्यकारी सदस्य सुनील गोयल (पप्पू), सुनील गुप्ता शामिल रहे।

रामलीला कमेटी पर आदेशों का फेरबदल, प्रशासन की गंभीरता पर सवाल, अब उमेश पप्पू नागर ही अध्यक्ष

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। राजनगर सेक्टर-23 की आदर्श धार्मिक रामलीला कमेटी पर बीते चार दिनों में डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय ने तीन अलग-अलग आदेश जारी किए—पहले पप्पू नागर को अध्यक्ष बनाया, फिर अधिकार समान कर दिए और अंत में दोबारा पप्पू नागर की अध्यक्षता बहाल कर दी। आदेशों में बार-बार हुए इस फेरबदल से प्रशासन की गंभीरता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पहला आदेश (16 सितम्बर 2025) : पत्रांक 1820 के तहत अस्थायी समिति गठित हुई। इसमें उमेश पप्पू नागर को अध्यक्ष और अनुज राघव, हरेन्द्र यादव, अरुण शर्मा, अशोक चांदीवाल व प्रदीप चौधरी को सदस्य बनाया गया। आदेश में साफ लिखा गया कि पप्पू नागर आयोजन की जिम्मेदारी और सभी अधिकारों के साथ अध्यक्ष रहेंगे।

दूसरा आदेश (19 सितम्बर 2025) : पत्रांक 1987 के जरिए आदेश संशोधित कर दिया गया। इसमें अरुण शर्मा की जगह मोनू त्यागी और अशोक चांदीवाल की जगह चेतन यादव को शामिल किया गया। साथ ही कहा गया कि समिति के सभी छह सदस्य समान अधिकार के आधार पर कार्य करेंगे। इस आदेश से पप्पू नागर की अध्यक्षीय स्थिति समाप्त हो गई थी।

तीसरा आदेश (20 सितम्बर 2025): पत्रांक 1890 के जरिए दूसरा आदेश (19 सितम्बर का) निरस्त कर दिया गया और फिर से पहला आदेश (16 सितम्बर का) बहाल कर दिया गया। यानी अब वही समिति मान्य है जिसमें उमेश पप्पू नागर अध्यक्ष हैं और बाकी पांच सदस्य उनके सहयोगी रहेंगे।

सवाल प्रशासन पर : तीन दिनों में तीन अलग-अलग आदेश जारी होना इस बात को दशार्ता है कि प्रशासन रामलीला कमेटी के विवाद को लेकर गंभीर और ठोस निर्णय लेने में असमर्थ दिखा। बार-बार आदेश बदलने से दोनों पक्षों में भ्रम की स्थिति बनी और आयोजन पर भी असर पड़ा।

तीनों आदेशों के मूल्यांकन के बाद वर्तमान स्थिति यह है कि:

- उमेश पप्पू नागर अध्यक्ष हैं।
- सदस्य: अनुज राघव, हरेन्द्र यादव, अरुण शर्मा, अशोक चांदीवाल और प्रदीप चौधरी।
- समिति की अवधि केवल रामलीला के आयोजन तक सीमित रहेगी।

संजय नगर व्यापार मंडल का प्रदर्शन शोषण के विरोध में एक घंटे बाजार रहा बंद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। संजय नगर व्यापार मंडल ने शुक्रवार को नगर निगम, पुलिस प्रशासन और खाद्य विभाग पर व्यापारियों के शोषण का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। सुबह 11 बजे से 12 बजे तक बाजार बंद रहा।

व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन गोयल और महामंत्री हरीश शर्मा ने कहा कि गाज़ियाबाद के अधिकारी लगातार व्यापारियों को प्रताड़ित कर रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह रवैया न केवल व्यापारियों के हितों के खिलाफ है, बल्कि भाजपा के कोर वोटरों को हतोत्साहित करने का काम भी कर रहा है।

व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाज़ियाबाद दौरे पर थे, इसलिए इस विरोध का उद्देश्य उनकी आवाज सीधे सरकार तक पहुँचाना था।

प्रदर्शन में मौजूद पदाधिकारी

प्रदर्शन में चेयरमैन प्रदीप गर्ग, अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री हरीश शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग, उपाध्यक्ष रितेश गर्ग, उपाध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, वाइस चेयरमैन रवि कुमार, पूर्व ठाकुर बबलू सिंह, तेजवीर मां, गौतम पंडित राजू, केके शर्मा, मूलचंद तोमर, बालाजी मेडिकल स्टोर, बेदी ट्रेलर, ढींगरा इलेक्ट्रॉनिक, प्रवीण भाई, सत्यपाल सिंह सिसोदिया, राजू भाई, अशोक लाल समेत बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। व्यापार मंडल ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि व्यापारियों का शोषण बंद नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

9 अक्टूबर को कई पुराने नेता और कार्यकर्ताओं की बसपा में हो सकती है वापसी, प्रदेश नेतृत्व है संपर्क में

गाजियाबाद (करंट क्राइम) 9 अक्टूबर को बसपा के संस्थापक काशीराम की पुण्यतिथि पर लखनउ में आयोजित होने वाली जनसभा के लिए बसपा जिला और महानगर कमेटियों की ओर से पूरी ताकत झोंक दी गई है। बसपा की ओर से इस जनसभा के लिए गाजियाबाद जिला और महानगर कमेटियों की ओर से 20 हजार लोगों को राजधानी लखनउ ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बसपा पदाधिकारियों की ओर से लगातार बैठकें की जा रही है। बसपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र मोहित ने कहा कि पार्टी की ओर से सभी विधानसभा क्षेत्रों में बैठकें की गई। इन बैठकों में विधानसभा के पदाधिकारियों को जनसभा के लिए जिम्मेदारियां दी गई। लोनी, मुरादनगर, मोदीनगर, साहिबाबाद और गाजियाबाद के अलावा धौलाना विधानसभा क्षेत्र में कई बैठकों का आयोजन किया गया। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में लोग लखनउ जाएंगे।

वहीं, सूत्रों के अनुसार, 9 अक्टूबर को लखनउ के हजरत महल पार्क में होने वाली जनसभा में बसपा के पुराने पदाधिकारियों और कार्यकताओं की घर वापसी हो सकती है। प्रदेश स्तर पर कई बडे नेताओं की फिर से पार्टी में वापसी हो सकती है। वहीं सूत्रों के अनुसार, पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने गाजियाबाद जिला और महानगर कमेटियों के पदाधिकारियों से उन पदाधिकारी व कार्यकताओं की सूची मांगी है, जो पहले बसपा में थे। किन्ही कारणों से पार्टी को छोडकर दूसरी पार्टी में शामिल हो गए।

जानकारी के अनुसार, पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ऐसे कई नेताओं के संपर्क में है। 9 अक्टूबर को ऐसे कई नेता अगर बसपा में शामिल होते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। दरअसल, प्रदेश में पार्टी के पुराने जनाधार को हासिल करने के लिए बसपा नेतृत्व की ओर से पार्टी के पुराने नेता और कार्यकताओं को, जो पार्टी छोडकर दूसरी पार्टियों में चले गए थे, उन्हें फिर से पार्टी में वापस लाने की कवायद शुरू की गई है। सूत्रों का कहना है कि जब से आकाश आनंद को नेशनल चीफ कोर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी गई है, तभी से पार्टी छोडने वालों से संपर्क कर उन्हें पार्टी में वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए पार्टी की ओर से मंडल स्तरीय पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

सूत्रों का कहना है कि पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य की भी बसपा में वापसी हो सकती है। इसी तरह गाजियाबाद में भी कई बडे नेता 9 अक्टूबर को हाथी की सवारी कर सकते हैं। पार्टी की ओर से विधानसभा वार ऐसी लिस्ट पश्चिम उत्तर प्रदेश मंडल प्रभारियों को सौंपी गई है। बिहार में आकाश आनंद को मिले जनसमर्थन से उत्साहित बसपा आने वाले समय में यूपी में बडे पैमाने पर पुराने कार्यकताओं को फिर से पार्टी में शामिल करने का अभियान चलाएगी।

श्री रामलीला समिति राजनगर में नारद जी के मोह भंग के साथ रामलीला का मंचन आरंभ

दिल्ली से आए अनुराग नारायण एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा हाईटेक रामलीला का मंचन किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। श्री रामलीला समिति राजनगर की ओर से सती मोह तथा शिव विवाह एवं नारद मोह भंग के प्रसंग के साथ विधिवत रूप से रामलीला का मंचन आरंभ हो गया। मंचन आरंभ होने से पूर्व समिति के पदाधिकारियों ने भगवान श्री विष्णु एवं रामायण का पूजन किया।

दिल्ली से आए अनुराग नारायण एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा हाईटेक रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामलीला मंचन के प्रथम दिन सती मोह, शिव पार्वती विवाह एवं नारद जी का मोह भंग का प्रसंग प्रस्तुत किया गया।

मंचन में दिखाया गया कि भगवान शिव सती के साथ बैठे हुए हैं, तब वहां नारद जी आते हैं और कहते हैं कि दक्ष प्रजापति के यहां बहुत बड़े यज्ञ का आयोजन हो रहा है , आपको निमंत्रण नहीं मिला। तब सती क्रोध में पिता के यहां पहुंचती हैं और यज्ञ की लपटों में खुद को भस्म कर देती हैं। उसके बाद शिव क्रोध में तांडव करते हैं। बाद में सती पुनः पार्वती के रूप में जन्म लेती हैं और उनका विवाह शंकर जी के साथ होता है। शंकर जी पार्वती जी से विवाह करने के लिए अनोखी बारात लेकर जाते हैं। बारात में तरह तरह के बाराती हैं जिन्हें देखकर कर पार्वती जी का परिवार थोड़ा चिंतित हैं। वरमाला की रस्म के साथ शिव पार्वती विवाह सम्पन्न होता है।

इसके बाद नारद मोह की लीला के दौरान दिखाया गया कि नारद जी हिमगिरि गुफा के पास एक बहुत सुन्दर वन में ध्यान कर रहे हैं, उनकी इस तपस्या से इन्द्र का आसन डोल जाता है। नारद जी को अपनी तपस्या पर अहंकार हो जाता है। उनके अहंकार को भंग करने के लिए विष्णु जी अपने लीलाओं से उनका मोह भंग कर देते हैं। जब नारद इस बात का भान होता है तो वह विष्णु जी को श्राप देते हैं कि तुम भूलोक में मानव योनि में जन्म लेकर जाओगे। उनके इसी श्राप के कारण विष्णु जी ने दशरथ नंदन श्री राम के रूप में मनुष्य योनि में अवतार लिया।

इस मौके पर समिति के संरक्षक जितेन्द्र यादव, अध्यक्ष जयकुमार गुप्ता, महामंत्री दीपक मित्तल, कोषाध्यक्ष आर के शर्मा, मेला प्रबंधक एस एन अग्रवाल, स्वागताध्यक्ष योगेश गोयल,राजीव मोहन गुप्ता, आर एन पाण्डेय, ब्रजमोहन सिंघल, सुभाष शर्मा, आलोक मित्तल, दीपक मित्तल , अमरीश त्यागी, राजीव त्यागी, जी.पी. अग्रवाल, मुकेश मित्तल, विनोद गोयल, राजीव गुप्ता, प्रचार मंत्री रेखा अग्रवाल, सौरभ गर्ग, दिनेश शर्मा, मोतीलाल गर्ग, अनिल कुमार क्वालिटी स्टील वाले, मनीष वशिष्ठ, मदन लाल हरित, डीके गोयल, दीपक सिंघल, गोल्डी सहगल, ओमप्रकाश पोपली भोला, विजय लुम्बा, पंकज भारद्वाज, जेपी राणा, सहित राजनगर के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।